कलीसिया और उसकी परिस्थिती

एक बच्चे की दुर्लभ बीमारी के लिए, विशेष करके आज सुबह को प्रार्थना में याद रखेंगे, तो निश्चय ही हम सब करना चाहेंगे। वे डॉक्टर यहां तक जानते भी नहीं हैं। वे इस बीमारी को कोई भी एक नाम को देते हैं, लेकिन मैं सोचता हूं कि उन्हें बनाया गया है कि वे इसे कोई एक नाम को दे, वे—वे नहीं जानते कि यह क्या था। और, लेकिन मसीह जानता है कि यह क्या है। मैं आपको बता सकता हूं कि यह क्या है, यह एक शैतान है, यह सही बात है, शैतान है। जो भी वे नाम देना चाहते हैं, दे, क्योंकि यह उन पर है। लेकिन यही वह है, देखो, एक दुष्ट आत्मा। अब आइए, हम सब एक साथ मिलकर, एक बार फिर, एक साथ मिलकर, *विश्वास करो,* आइये सच्चाई से, अब हर एक जन आकर।

केवल विश्वास करो, केवल विश्वास करो,
सब कुछ संभव है, केवल विश्वास करो;
केवल विश्वास करो, केवल विश्वास करो,
सारी बातें संभव है, केवल...

2 प्रभु आपको चंगाई देने जा रहा है, बहन। आइए, अब इस लड़की के लिए प्रार्थना करेंगे, जब हम अपने सिरों को झुकाते हैं।

3 हमारे स्वर्गीय पिता, ऐसा प्रतीत होता है, मैं इसे अपने मन से नहीं निकाल सकता हूं, वो छोटी लड़की वहां पर मर रही है, वह किसी की तो प्रियजन है। वह आपकी सृष्टि है, और शैतान उसके युवा जीवन को छीनने की कोशिश कर रहा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि मसीह के नाम में आप उस मृत्यु के हाथ को रोक देंगे, उस शत्रु को पीछे हटा देंगे। आप प्रभु है, जो उस लाल समुंदर की दीवार को दोनों ओर खड़ा कर सकते हैं, और इस्राएल के बच्चों को दे सकते हैं, आपकी वंशावली के लिए, आपने एक सुरक्षित यात्रा को दिया, समुद्र को पार किया और वे प्रतिज्ञा देश के अंदर गए। परमेश्वर, हम आज प्रार्थना करते हैं कि आप हर एक रूकावट को पीछे कर देंगे, और उस बालक को जीने देंगे। यही हमें मांगने के लिए दिया गया है। और, जब कुछ लोगों का झुंड आप पर विश्वास कर रहा है, हम उस बच्चे की चंगाई को यीशु के नाम से मांगते हैं। आमीन।

4 आज इस आभारी हृदय के साथ, मैं—मैं आपके पास फिर से प्रभु यीशु के नाम में आता हूं। मैं लुईसीयाना से थोड़ा जल्दी ही घर पर आ गया। मैंने सोचा हो सकता है, यदि मैं रविवार से पहले यहां पर आ जाऊं तो मैं संडे स्कूल को ले सकता हूं। और फिर वहां पर मौसम अत्याधिक गर्म था, कि हम... आज सुबह यहां सुहावना मौसम है, वहां लुईसीयाना से यहां ठंडा है। आप लुईसीयाना में कभी भी बिना पंखे के इमारत में नहीं बैठ सकते हैं, वहां पर एयर कंडीशन होना है, या तो आप मूर्छित हो जायेंगे।

5 और सो मैं आ गया हूं, इसलिए कि मैं बस एक या दो दिन के लिए विश्राम कर लूं, इससे पहले कि मैं यहाँ से फिर से वापस जाऊं, अगले हफ्ते नोर्थन सेसकाचेवन में, और जो ऊपर प्रिंस अल्बर्ट पर है। यही से दूर– दूर तक संसार के लिए सडके जाती है, दूसरी तरफ से। यहाँ से दुनिया के लिए सारी सडके जाती है, और कोई रास्ते नहीं है, और सिवाय इंडियनस और एस्किमोस के, जो पीछे अन्दर के भाग की तरफ है, जहां पर इस बार हम जा रहे हैं। तो इस सभा पर हमारे पास सारे केनडा से बहुत से लोग होंगे। उनमें से कुछ लोग प्लंब से आयेंगे जो पश्चिमी तट में है, उन्होंने कहा, वे वहां पर आ रहे हैं। और निश्चय ही, आप लोगों से प्रार्थनाओं की अपेक्षा रखता हूँ, कि परमेश्वर हमसे मुलाकात करे, और हमें पूरी तरह से उसकी महिमा के लिए असाधारण, भरपूर महान सभाओ को दे। ऐसा चार या पांच वर्षों से होता आ रहा है, जब से मैं केनडा में रहा हूं। और मेरे कुछ बहुत ही कुलीन मित्र वहां पर हैं, जो की बहुत ही अच्छे लोग हैं।

6 और वे कलीसिया जाने के प्रति बहुत ही निष्ठावान है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितनी भी ठंड हो, वह कंबल को ओढ लेंते है और बर्फ की घोड़ागाड़ी पर बैठकर, चालीस मील तक घोड़े को चलाते हैं, जिससे कि कलीसिया पहुंचे। वे बर्फ के टीलो में से होते हुए चलकर जाते हैं, और जो कुछ भी है, जवान या बूढ़े होने दो। वह सब झुण्ड एकत्र होते हैं। और एक परिवार दूसरे परिवार के पास जाता है और वे चलना आरंभ करते हैं, और वे निकलते हैं। ये—ये उनका बलिदान है जिसे वे करते है, यही कारण है उन्हें सभा से बहुत कुछ मिलता है। जहां पर कोई बलिदान नहीं है, वहां पर आपको सभा से इतना कुछ नहीं मिलेगा। आपको सचमुच में नीचे आकर और कुछ तो करना होगा, जो वास्तव में बहुत तकलीफ देता है, कुछ चीजों को एक तरफ रखना है और व्यवसाय को बंद करना, और *ऐसा* और *वैसा*

करना ताकि कलीसिया में पहुँच जाये और परमेश्वर को बताये कि आप उससे प्रेम करते हैं, और आप वहां जाने के लिए एक बलिदान को करते हैं, ये उसके बाद ही आपको इसमें से कुछ तो मिलता है।

7 यह बस मेरे बच्चों के जैसा है। बिली पॉल, मैंने सोचा मैं... जब मैं एक बालक था, मुझे कुछ भी नहीं मिला। मेरी मां हमेशा ही, हो सकता है एक मिठाई की टुकड़े को लाती थी और उसे नापती, दो या तीन टुकड़े करके हर एक को दे देती थी। हो सकता है क्रिसमस के लिए, हमें एक छोटा सी नकली या एक छोटी ढक्कन की बन्दुक मिलती था, या इसी तरह से कुछ और। और मैं दूसरे बच्चों को देखता, उनके पास पहियों वाली साइकिले, और चीजें और अच्छे कपड़े और गर्म जैकेट होती थी। और मैं, मुझे बस बहुत ही दुख महसूस होता था, मैंने कहा, "यदि मेरे पास कभी, मेरे अपने बच्चे होंगे, मैं उनके लिए वो सब कुछ करूंगा, जो मैं कर सकता हूं।" तो ठीक है, मैं मेरे बालकों के लिए भूखा रहना पसंद करूँगा, ताकि मैं मेरे बच्चो को कुछ दे सकूं। और जब मैं ऐसा जीया... जब बिली एक छोटा लड़का ही था, मैं उसके लिए एक छोटी सी साइकिल लेकर आया, और मैंने उसे सब कुछ ला कर दिया। और मेडा, उसने सब कुछ कोशिश करने की कोशिश की, उसने नये कपड़ों का और दुसरी चीजो को लेने का बलिदान किया ताकि बिली को कुछ मिल जाए। लेकिन आप जानते हैं कि हम क्या देखने लगे? मैंने उसके लिए एक तीन पहियों वाली साइकिल लाकर दी और छोटा सा तीर कमान और उसे हर चीज को दिया। मैंने उसे एक चम्मच और छड़ी को लिए हुए देखा, वो पिछवाड़े में कहीं तो खुदाई कर रहा था। देखा? मैंने कहा, "वो आने वाले, वे इस तरह से नहीं होंगे।" समझे? तुम बस किसी को भी, उनके हाथों में कुछ भी दे दो, वे इसे नहीं चाहेंगे। यह कुछ तो है जिसके लिए आपको बलिदान करना होता है।

8 और इसी तरह से उद्धार है। यह एक संपूर्ण बलिदान है। ऐसा है भाई रॉय। यह—यह एक बलिदान है, जो तुम्हें हर रोज करना है, कुछ तो ऐसा जिससे—जिससे आप परमेश्वर के नजदीक आ जाए और कुछ तो करे। और मैं जानता हूं यह आप सबके लिए आज सुबह एक बलिदान है, इस गर्म इमारत में बैठना। और जैसे हम यहां पर बैठे हैं, आइए हमारे मनो को उस सबसे बड़े बलिदान की ओर रखें, जिसे मनुष्य जाति के लिए कभी दिया गया था, जो यीशु मसीह था, जब उस पर भार रखा गया ताकि धरती

पर आकर हमारे स्थान पर मरे। केवल इतना ही नही, लेकिन उसका प्राण अधोलोक में उठा लिया गया, और वहां पर तीन दिनों और तीन रातों तक था, और तीसरे दिन पर वह जी उठा, और अब ऊँचे पर उठाया गया, स्वर्ग में परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ है, उस की प्राश्चियता को अंगीकार करने पर, हमारे लिए बिचवाई को करता है, और उसका अनुग्रह जिसका हमारे लिए प्रयोजन किया गया है।

9 अब वहां सभा में... जहां पर हम जा रहे हैं, वहां पर बहुत से लोग होंगे, बहुत ही गरीब, बहुत ही गरीब, किसी को उनकी गायो को बेचना होगा, उनकी दो या तीन भेडो को या कुछ तो ऐसे ही, जिससे की वे सभा मे पहुँच सके। वे पुराने एस्किमो हो सकता है कि वे उनके चमडो को बेचने के लिए लेकर आये, जिसकी उसे सचमुच उसके परिवार को सभा में आने के लिए आवश्यकता है। जो इंडियन व्यापार करने वाले हैं, वे भी उसी तरह से करते हैं। अब, हम कम से कम उन लोगों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं, क्या नहीं कर सकते? और हम प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें महान चीज को दे।

10 अब यह गर्मी हो रही है, मैं आपको बहुत समय तक नहीं रोके रखना चाहता हूं। और मैं चाहता हूं कि हम आज सुबह हमारे मनो को इस पर स्थिर करें, इससे पहले हम बीमारों के लिए प्रार्थना करें, *कलीसिया और उसकी परिस्थिति*। और अब मैं महसूस करता हूं कि कुछ दिनों पहले कलीसिया के लिए मैंने शिवरेपोर्ट, लुइसियाना पर मुझे एक संदेश दिया गया था, और मैं—मैं सोचता हूं यह कलीसिया की स्थितियां है। और हम आज सुबह इसके साथ परमेश्वर का सामना करने जा रहे हैं, और प्रार्थना करें और परमेश्वर से मांगे कि हमारी सहायता करे। वही दृष्टिकोण लेने का लक्ष्य न रखें, लेकिन परमेश्वर से सहायता मांगे, इस दिन के लिए, जिसमें हम रह रहे हैं। और केवल इससे पहले... यह शानदार पुरानी बाईबल है, लेकिन वहां इसी में ही अनंत जीवन की सामग्री को रखा गया है।

11 और याद रखना, परमेश्वर का वचन, परमेश्वर उसके वचन से अधिक नहीं है और हम हमारे वचन से अधिक नहीं है, मैं और आप एक भिन्न स्थान पर खड़े हैं और यदि हम कुछ कहते है... अवश्य ही, अब आप और मैं भिन्न स्थान में है... समझो, हम—हम दोनों कह सकते है, "ओह, मैं एक फलां काम को करुंगा," हम हमारे हृदय में इरादे को रखते है, लेकिन

परिस्थितियां ऐसी आ जाती है कि हम इसे नहीं कर सकते हैं जिसे हमने करने के लिए कहा है। लेकिन परमेश्वर ऐसा नहीं कर सकता है, क्योंकि वह अनंत है, और वह हर एक बात को जानता है, और हर एक चीज को जो कभी थी, होगी या... इसलिए, वह एक ऐसे ही अल्प बयान को नहीं दे सकता है, वह जानता है कि वह इसे कर लेगा।

12 और अब्राहम, जब वह एक सौ वर्ष का था, उसने उन बातों को बताया, जो थी ही नहीं, और हालांकि वो थी। अब मैं इसे लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए बता रहा हूं, उनके लिए, जिन बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं। अब्राहम ने उन चीजों को बताया जो थी ही नहीं, और हालांकि वो थी, यह मान रहा था कि वो जिसने उसकी प्रतिज्ञा की थी जो इसे पूरा करने में सक्षम है, या, उसे पूरा करता है, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी। अब, जब परमेश्वर ने अब्राहम को बताया, वह जब छ... पच्चतर वर्ष का था और सारा पैसठ वर्ष की थी, कि उन्हें एक बालक होने जा रहा है, क्योंकि यह पूरी तरह से असंभव बात थी। और उसने विश्वास किया और बालक के लिए देखने लगा, और पच्चीस वर्षों तक ऐसे माना कि लगभग बालक वही पर है, बालक के आने से पहले। और अब्राहम सौ वर्ष का था जब बालक ने जन्म लिया था, और सारा नब्बे वर्ष की थी, क्योंकि उसने उस पर विश्वास किया था। और उसने उन चीजों को बताया, जो थी ही नहीं, और हालांकि वो थी।

13 अब, ऐसा ही बीमार और उन पीड़ित लोगों के लिए है, जिनके लिए प्रार्थना होनी है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी समस्या क्या है, या तो आप... आपको कोई भी बीमारी हो, आपकी परिस्थिति कितनी भी ख़राब हो, जब आप मसीह को, उसके वचन को ग्रहण करते हैं, तब आप उन बातों को बताते हैं कि वे बातें है, और जब की वो बातें हालांकि नहीं होती है, यदि वे परमेश्वर के वचन के विपरीत है तो। अब, परमेश्वर ने कहा, "विश्वास की प्रार्थना बीमार को बचा लेगी।" तो, यदि परमेश्वर ने कहा है बात वहीं पर खत्म हो जाती है। तब, आइए हम अपने मनो को स्थिर करे, आशाओ को, और ऐसे व्यवहार करे हालांकि यह हो चूका है। यह तो बस पहले से ही पूरा हो चूका है, जब हम इसे ग्रहण करते हैं।

14 उद्धार उसी तरह से है। हम इसे विश्वास करते हैं, इसे ग्रहण करते हैं, हमारे हृदय में इसे विश्वास करते हैं, परमेश्वर के सामने चलते हैं, और

मसीह को हमारा व्यक्तिगत उद्धारकर्ता करके स्वीकार करते है, और उसे ग्रहण करते हैं। यदि आप आज सुबह यहां पर हैं, और एक पापी हैं, और नहीं बचाए गए हैं, और आप चंगाई को पाना चाहते हैं, आप बीमार हैं, तो पहले परमेश्वर को पा ले। उसे अपना एक उद्धारकर्ता की नाई ग्रहण करें, तब जो बीमारी थी वहां से चली जाएगी। जो कुछ भी यह है, केवल अपने संपूर्ण विचार को डाले (हर एक चीज के लिए कि आपके पास है) उस संपूर्ण मनुष्य पर, जो यीशु मसीह है, बाकी सब कुछ ठीक हो जाएगा।

15 सो अब इसे आप अपने मन में रखें, क्योंकि मैंने इन कुछ शब्दों को उन बीमार और पीड़ित लोगों के लिए कहा है, तो मैं आज सुबह, कलीसिया और उसकी परिस्थिती, इस पर बोलने जा रहा हूं। क्योंकि मैं महसूस करता हूँ, कि हालांकि दैविक चंगाई अद्भुत है, लेकिन जब मैं शेवरेपोर्ट में था, जब मैं वहां पर था मेरे पास केवल लगभग तीन चंगाइयों की सभा की थी, तीन, हो सकता है, चार, ज्यादा से ज्यादा, इन ग्यारह दिनों के अंदर। दैविक चंगाई में ज्यादा समय बिताने से अधिक मनुष्य के प्राणों के लिए प्रचार करना, ये अतिआवश्यक है। भले ही जो लोग बीमार और आवश्यकता में है परमेश्वर उन्हें चंगा कर सकता है। और यह सारे संसार भर में पहले से ही प्रमाणित हो चूका है, कि वह करता है। लेकिन अब मुख्य चीज प्राण के लिए है, जो कभी नहीं मरेगा। यह शरीर मर जाएगा, लेकिन प्राण कभी भी नहीं मरता है और हमें उसी स्तर पर बने रहना अवश्य है, और परमेश्वर के साथ निष्कपट रहना है।

16 मैं हमेशा ही कहता हूं। मैं हर एक चीज को पूरा हुए देखना चाहता हूं, क्योंकि जब मैं उस नदी पर उस सुबह को आऊं, मैं वहां कोई भी परेशानी नहीं चाहता हूं। मैं अपने हाथों में अपनी टिकट को चाहता हूं, मेरे नाम की प्रतीक्षा करते हुए। और मैं कहना चाहता हूँ जैसे पहले समय के पौलुस ने कहा, भाई क्रीच, "मैं उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हूं।" कि जब वो मरे हुओ में से बुलायेगा, मैं बाहर आऊंगा... मैं उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हूं।

17 सो, अब वो जो किताब का लेखक है, आइए हमारे सिरों और हृदय को कुछ क्षणों के लिए उसके सामने झुकायेंगे।

18 और, परमेश्वर, हमारे पिता, हम अब आपके पास आते हैं ताकि आपसे मांग सके कि आप हमारे लिए वचन को खोल दें। हम पन्नों को पलट सकते

हैं, लेकिन केवल पवित्र आत्मा ही वचन को खोल सकता है। इसलिए हमारे लिए आज सुबह इसे खोल दें, पिता, और हमें आपके अनुग्रह को बहुतायत से, अत्यधिक तरह से दीजिये। हम आप पर रुके हुए हैं। और होने पाए वह पवित्र आत्मा वचन के अंदर चला जाए, और ये मनुष्य के होठो से निकलकर, मनुष्य के हृदय के लिए दीजिये और होने पाए वह इसे लेकर, हर एक हृदय में स्थिर कर दे, बिल्कुल वैसे ही जैसे हमें इसकी आवश्यकता है। और जब सभा समाप्त होती है, हम अपने घर की ओर जाने को तैयार होते हैं, हम विनम्रता से अपने सिरों को झुका कर आपको धन्यवाद और स्तुति दें, क्योंकि जो कुछ भी हमने आप से सीखा है और आप जो कुछ भी हमारे लिए कर चुके है, उसके लिए। मसीह के नाम से हम इसे मांगते हैं। आमीन।

19 वचन को पढ़ेंगे, संत यूहन्ना के पहले अध्याय की ओर, जिनके पास बाईबल हैं और मेरे साथ इसे पढ़ना चाहते है या एक विषय के लिए इस पर चिन्हित करना चाहते है। और हम वचन से विषय को पढ़ेंगे, और फिर उसके बाद हम प्रार्थना करेंगे, और पवित्र आत्मा वचन में से उस विषय को लेकर हमें दे देगा। हम इसे पढ़ सकते हैं, हम जो इसे पढ़ने में सक्षम हैं, इसे पढ़ सकते हैं लेकिन पवित्र आत्मा ही इसमें से उस विषय को बाहर ला सकता है। हम शब्दों को पढ़ सकते हैं, क्योंकि यह उसका वचन है, लेकिन बाद में उस—उस विषय को परमेश्वर के द्वारा दिया जाना है। अब, संत यूहन्ना पहला अध्याय, अठाईस पद से आरंभ करते हुए और आगे बत्तीस पद तक पढेंगे।

ये बातें यरदन के पार... ?... हुई, जहां यूहन्ना बपतिस्मा देता था।

... दूसरे दिन उस ने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पाप उठा ले जाता है।

यह वही है, जिस के विषय में मैं ने कहा था, कि एक पुरूष मेरे पीछे आता है, जो मुझ से श्रेष्ठ है, क्योंकि वह मुझ से पहिले था।

और मैं तो उसे पहिचानता न था, परन्तु इसलिये मैं जल से बपतिस्मा देता हुआ आया, कि वह इस्त्राएल पर प्रगट हो जाए।

... यूहन्ना ने यह गवाही दी, कि मैंने आत्मा को कबूतर की नाईं आकाश से उतरते देखा है, और वह उस पर ठहर गया।

और मैं इस अंतिम बत्तीस पद को फिर से पढना चाहता हूँ।

और यूहन्ना ने यह गवाही दी, कि मैं ने आत्मा को कबूतर की नाईं आकाश से उतरते देखा है, और वह उस पर ठहर गया।

20 अब होने पाए, प्रभु इस वचन पर उसकी आशीषों को जोड़ दें। मैं चाहता हूं कि आप हर एक वचन को—को पकड़ने का यत्न करें, यदि हम कर सकते हैं तो। क्या आप मुझे पीछे ठीक से सुन पा रहे हैं? तो ठीक है, क्या आप उस तरफ पीछे सुन पा रहे हैं? यदि आप सुन पा रहे हैं तो अपने हाथों को उठाये। यह अच्छी बात है।

21 अब, मैं आज सुबह आपसे दृष्टांत पर—पर बात करना चाहता हूं, इस तरह से जो यहाँ तक कि, लगभग कलीसिया में नही आने वाला व्यक्ति भी यहाँ समझ सकेगा। अब हम कलीसिया आते है जिससे कि हम अपने आप को बेहतर बनाये। हम यहां पर आते हैं ताकि हम एक खुद को बेहतर व्यक्ति बनाए, बेहतर मसीह, बेहतर नागरिक, बेहतर पिता, बेहतर माता, बेहतर पड़ोसी बनाये। हम आते हैं क्योंकि मसीह ने हमें बताया है यदि तुम आकर और मेरे नाम से कुछ भी मांगते हो, जहां पर दो या तीन या उससे अधिक मेरे नाम से इकट्ठा होते हैं वह हमारे साथ होगा, और इसे हमारे लिए प्रदान करेगा। इसलिए इससे अधिक और आज हमारे लिए क्या बेहतर होगा, इससे अधिक यह जानना कि हम कलीसिया पर हैं, अपने आप को सुधारने के लिए, ताकि हमारी समझ को बढ़ाये? कितने लोग कहेंगे, "यही वह बात है, जिसके लिए मैं यहां पर हूं"? आइए देखें। "मैं—मैं एक बेहतर समझ को चाहता हूं।" और हमारे—हमारे पास एक बेहतर समझ नहीं हो सकती है, जब तक... और यदि हमारे पास एक परमेश्वर की समझ होने जा रही है, तो इसे परमेश्वर के वचन से ही आना है, क्योंकि ये वचन ही है जिसे परमेश्वर ने हमें दिया है, ताकि हमारे भूखे प्राणों को भोजन दें। और पवित्र आत्मा को यहां भेजा गया है, ताकि परमेश्वर के वचन को ले और हमें वचन के द्वारा खिलाये। आप इसे समझे? देखो, हम... पवित्र आत्मा को जो परमेश्वर की ओर से भेजा गया है, ताकि परमेश्वर का वचन को ले और हमें दें, जैसे हमारी आवश्यकता होती है। अब, मैं बहुत ही आनंदित

हूं कि परमेश्वर ने हमारे लिए इस तरह का प्रयोजन किया है। क्या आप आनंदित नहीं है? कि वह हमें खिलायेगा।

22 हम उसकी चराई की भेड़े है। हम थोडा सा इस पर बोलने जा रहे है, भेड़ पर। और हम परमेश्वर के तिगुने अस्तित्व है, और जब वो हम पर पूरी तरह से नियंत्रण को ले सकता है, वो हमें अगुवाई कर सकता है और हमारा नेतृत्व कर सकता है।

23 अब, परमेश्वर इससे बहुत ही प्रसन्न हुआ, कि जब उसने धरती पर यीशु को भेजा, इससे उसे प्रसन्नता हुई कि उसे प्रतिनिधित्व करें, एक जानवर के नाई, और वो जानवर मेम्ना था। बहुत पहले आदि में, अदन की वाटिका में, यीशु मसीह के आगमन की जो पूर्व छाया थी, परमेश्वर ने मेमने को बलिदान किया, या एक मेम्ना होना था, एक बलिदान की भेंट के स्थान पर, जो मसीह के आगमन की पूर्व छाया है। अब मैं हमेशा ही चकित होता था, क्यों परमेश्वर ने मसीह को एक जानवर के नाई पूर्व छाया किया होगा, एक पशु के नाई। लेकिन हम इस बात को देखेंगे, क्यों ये मेम्ना था, उस कारण को, जो उसने एक मेमने को चुना, और एक मेमना धरती की सारी सृष्टि में सबसे विनम्र है। वहां इससे ज्यादा विनम्र और सुशील नही है, उस एक छोटे से मेमने से, पूरी तरह से निर्दोष, आत्मनिर्भर नहीं होता, वो—वो अभिमानी नहीं होता है। यह एक सुशील, विनम्र छोटी सी सृष्टी है। और जब परमेश्वर मसीह को संसार के लिए प्रतिनिधित्व कर रहा था, उसने एक मेमने में उसे प्रतिनिधित्व किया।

24 अब, लेकिन जब परमेश्वर, पिता परमेश्वर, यहोवा, खुद को स्वर्ग से प्रतिनिधित्व करने जा रहा था, उसने उस सबसे नम्र, दीन में प्रतिनिधित्व किया, उन सारे पक्षी मे से जो आकाश में उड़ते हैं, वह है पेंडुकी। इस पेंडुकी से और अधिक सुशील पक्षी कोई नहीं होगा। मैंने पक्षियों के जीवन और जंगल के जीवन पर थोडा अध्यन किया है, हर एक पक्षी जो आकाश में उड़ता है, पर जो पेंडुकी होता है उन सबसे भिन्न ही है। पेंडुकी एक—एक—एक प्रेमी पक्षी है। पेंडुकी सुशील है। और पेंडुकी के पास कोई पित्त नहीं होता, यही केवल पक्षियों के परिवार से है, जिसके पास एक पित्त नहीं होता। इसी कारण से आप पेंडुकी को कभी, कहीं पर भी, यहां–वहां जाते नहीं देखेंगे सिवाय जहाँ पर दाना और बीज हो। अब, ...

25 उस जहाज में वहां एक पेंडुकी था। और पेंडुकी को बाईबल में बहुत से स्थानों पर प्रतिनिधित्व किया गया है। यह पवित्र आत्मा का चिन्ह है। और मेमने को भी बाईबल में बहुत से स्थान पर प्रतिनिधित्व किया गया, जैसे मसीह की नाई, प्रकाशिवाक्य में, और वहां पीछे उत्पति की किताब से होते हुए, और वैसे ही पेंडुकी को भी किया गया है।

26 और उत्पत्ति की किताब में, पेंडुकी जहाज में था, जो वहां पर बैठा हुआ था और बाकी के हवा में उडने वाले पक्षियों के साथ—साथ बसेरे पर बैठा हुआ था, और उनमें से एक डोम था, एक कौवा। और एक कौवा मैं सोचता हूं, वो पक्षियों में से सबसे गंदा पक्षी है, एक कौवा और एक जय चिड़िया। मैं सबसे गंदे पक्षीयो के विषय में सोचता हूँ, तो हम उसे देख सकते हैं। कौवा बहुत ही लंबे तक जीवन वाला पक्षी है, और वह जीता है,(उन्होंने दावा किया है) और कभी–कभी वे दो सौ या तीन वर्षो के लिए जीते हैं, और उस कौवे से... और एक तोता उससे और अधिक जीता है।

27 लेकिन एक पेंडुकी एक ऐसा जानवर है या एक ऐसा पक्षी है, जिसके पास कोई पित्त नहीं होता है। अब वह कौवा यहां–वहां बैठकर और मरी हुई लोथो को खा सकता है। आप कभी भी पेंडुकी को यहाँ–वहां मरी हुई लोथो के ऊपर बैठकर खाते नहीं देखेंगे। वो इस पर नहीं खडी हो सकती है, इसकी दुर्गन्ध उसके नाक में जाएगी, वो इस पर नहीं खडी हो सकती है। वह इसे बीमार कर देगी। वह बस महज कहीं पर भी नहीं खडी हो सकती है, जो दूषित हो रहा हो, सड रहा हो। वो इस पर नहीं खडी हो सकती है, इसलिए वो इसे नहीं खा सकती है। यदि वो इसे खा लेती है, ये पेंडुकी को तुरंत ही मार डालेगा, क्योंकि जो भोजन को पचाता है, और उसके पित्त से बाहर निकल कर पेट में चला जाता है, जो भोजन को पचाता है। और वहां पर इस पचाने के कोई भी पित्त नहीं होता है, तब यह पेंडुकी को मार डालेगा। इसलिए आप हमेशा ही देखेंगे पेंडुकी हमेशा ही वही पर घूमता रहता है, जहां पर कुछ तो साफ सुथरा होगा, या कुछ तो जो पोष्टिक होगा।

28 अब कौवा इससे भिन्न है। अब केवल ध्यान देना, कौवा जाति एक ढोंगी प्रकार का है। वह कौवा वहां पर मरे हुए लोथ पर बैठ सकता है, और बस खाता रहता है, जितना वह खाना चाहता है, और वहां से खेतों में

उड़कर जाता है, और दाना भी खाता है। लेकिन पेंडुकी दाने को खाकर और उड़कर मरे हुए लोथ को नहीं खा सकती है।

29 इसलिए एक ढोंगी, एक मनुष्य एक ढोंगी हो सकता है, और दोनों खाता है, आत्मिक चीजों को भी, और अच्छी चीजों को और बुरी चीजों को भी खाता है। लेकिन एक सच्चा जन्म पाया हुआ मसीह, इन बातों को सहन नही कर सकता है जो गलत है। और केवल अच्छी चीजों को ही खा सकता है। इसे ध्यान देना! जब आप एक व्यक्ति को देखते हैं जो नाचने के लिए जा सकता है, और बाहर जाकर शराब पीना, और पाप में जी सकता है और वापस आकर कलीसिया में ऐसे जोर से चिल्लाता है, जैसे वो एक संत हो, यह क्या है? वो एक कचरा ढूंढने वाला है, वह दोनों खा सकता है, सड़ी हुई चीजों को और अच्छी चीजों को। लेकिन वास्तविक मसीह उन चीजों को और सहन नही कर सकता है, क्योंकि वह मृत्यु से जीवन की ओर पार हो चुका है। और ये तुरंत ही उसे दोष देगे, इसके वही विचार, ये इसे तब तक दोष देते रहेंगे, जब तक वह अपने मुंह को मोड़कर और वहां से चला नही जाता। ओह! क्या ही एक तस्वीर है!

30 अब, वो मेम्ना बहुत ही छोटा सा सुशील जीव है। वह नहीं करता है, वह खुद की सहायता नहीं कर सकता है। वो आत्मनिर्भर नही होता है, क्योंकि वह खुद की सहायता नहीं कर सकता है। कुछ समय पहले मैं यहां चारागाह से होकर गुजर रहा था, जैसे मैं हमेशा यहाँ–वहां जाता रहता हूं, और मैंने एक छोटे से मेमने को देखा, और उनमें से बाकी के सारे मेमने, पता नहीं कैसे, उससे दूर चले गए थे और वह एक छोटे से काँटों की तार के गुच्छे में पूरी तरह से जकड़ा हुआ था। और वह बेचारा छोटा सा जीव वहां पर लहूलुहान पडा हुआ था, और मिमिया रहा था। और मैं वहां पर आया, और वहां से कुछ दूर देखा, लगभग आधा मील की दूरी पर, वहां एक पूरा भेड़ों का झुण्ड था। अब, वह ठीक वही पर ही पड़ा रहता था, और बहुत ही जल्द कौवे उसकी आंखों को नोच देते थे, यदि मैं वहां पर से उसे बाहर नहीं निकालता था। लेकिन मैंने उस छोटे से मेमने को छुड़ाकर और उसे मेरे हाथों पर उठाया। उसने कभी भी इनकार नहीं किया। वह बहुत ही शांत बैठा हुआ था। मैंने उसे अपने हाथों में लिया। शायद पहली—पहली बार किसी मनुष्य जाति ने कभी अपने हाथों को उस पर रखा था, लेकिन वह बहुत ही सुशील था। वह चाह रहा था कि कोई उसकी अगुवाई करें। वह

चाह रहा था कि कोई उसकी सहायता करें। और मैं आशा करता हूं आप इसे समझेगे। वह इच्छुक नहीं था कि छुड़ाने का यत्न करें और लात मारे और आपको काटे। मेमना आपको वापस लात नहीं मारेगा। वे कभी भी नहीं काटते हैं; वो अपने आप में बस बहुत ही नम्र होते हैं। और एक छोटा सा मेमना, मैंने उसे समेट लिया और बाकी के भेड़ो के बीच में उसे वापस छोड़ दिया। कुछ ही मिनटों पर उसकी मां ने उसे ढूंढ लिया, वह बहुत ही खुश था! अब ये परमेश्वर के मेमने का क्या ही प्रतिरूप है!

31 आप जानते हैं, एक भेड़ को कहाँ पर मार जाता हैं, आप जानते हैं कि उसे मारने के कमरे की ओर ले जाने में उसकी कौन अगुवाई करता है, एक बकरा करता है। लेकिन वह बकरा उस मेमने को सीधे उस कसाईखाने की ढलान की ओर लेकर जाता है, और, फिर जैसे ही वह भेड़ वहां पर ढलान पर आने लगती है, तब वो वहां से बाहर कूद जाता है। लेकिन ओह, वे कहते हैं, जब वे बकरे को मारते हैं, वह बहुत ही शोर मचाता है। समझे?

32 और इसी तरह से शैतान करेगा। वो परमेश्वर के बच्चों को वहां से सीधा सबसे गंदे स्थानो पर अगुवाई करने का यत्न करेगा, लेकिन जब उसके मरने का समय आता है, तब वो पूरी तरह से बहुत ही शोर मचाता है। इसी तरह से शैतान इसे करता है। और इसी तरह से कभी–कभी, कुछ और छोटी सी सुंदर सी दिखने वाली लड़कीयां, कुछ छोटे से आवारा लड़के, हाथ में सिगरेट का पैकेट लिये, या विस्की की बोतल लिए हुए, छोटी लड़की को बाहर की ओर अगुवाई करते है, जो किसी के झुण्ड का एक मेम्ना होगा, गलत चीजों की ओर लेकर जाएगा। "ओह, यह ऐसे ही है। ये कुछ भी नहीं है, ये ऐसे ही कलीसिया के विषय में बेकार की बातें है।" लेकिन एक बार मृत्यु को उस छोटे लड़के पर आने दो, उसे आप, चीखते, चिल्लाते हुए सारे देश भर में सुनेगे। और इसी तरह से शैतान ऐसा करता है।

33 लेकिन एक मेमना बहुत ही सुशील होता है, कि उसकी अगुवाई की जा सकती है। और इसी कारण से परमेश्वर ने मसीह को एक मेमने के नाई प्रतिनिधित्व किया, और खुद को पेंडुकी की नाई। और उस दिन पर, जब यूहन्ना ने यरदन नदी पर यीशु को बपतिस्मा दिया, जो सबसे महान घटनाओं में से एक है, जो वहां पर कभी घटित हुई थी, वहां पर इस बात ने जगह ली थी। ध्यान देना, ये कितना सुंदर है! वह मेमना, जो धरती की

सारी सृष्टि में से सबसे नम्र है और वो पेंडुकी जो आकाश में उड़ने वाले पक्षी में सबसे नम्र है। अब, यही वह केवल एक तरीका है, कि वे हमेशा ही एक साथ आ सकते हैं। केवल यही वह तरीका है, वह पेंडुकी हमेशा मेमने पर आएगा। अब, जब वह पेंडुकी नीचे उतर कर आया, यूहन्ना ने यीशु को देखा, और उसने कहा, "देखो परमेश्वर का मेमना, जो जगत के पापों को दूर लेकर जाता है।" और यूहन्ना ने कहा, "मैं इसकी गवाही देता हूं, परमेश्वर के आत्मा को मैं एक पेंडुकी की नाई नीचे उतरते देखता हूं, और उस पर बना रहता है।" हाल्लेलुय्या! आप वही पर हैं। वह पेंडुकी और मेमना, दोनों एक साथ, एक हुए थे। यही है जब परमेश्वर और मनुष्य एक बन जाते हैं। यही है जब धरती और आकाश आपस में एक दुसरे से मिल जाते हैं। हाल्लेलुय्या! यही है जब परमेश्वर देहधारी हुआ था, इसे लेकर आया, यही है जब परमेश्वर आत्मा के रूप से नीचे उतर कर आया, और एक मनुष्य बना था और हमारे बीच में रहा। यही है, जब सारी अनंता आपस में एक दुसरे से मिल जाती है। यही है वो जब आदम के लोग, मनुष्य की गिरी जाति और यहोवा परमेश्वर और हर एक दूत एक साथ आते है, जब परमेश्वर और मनुष्य एक बन गए थे, उस महान यादगार दिन पर, जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया।

अब, क्या होता, यदि वहां पर एक भेड़िया होता था? उस पेंडुकी की मधुर गुटरगूं की आवाज़ कभी भी भेड़िए के पास नहीं रुक सकती है।

34 इससे और अधिक क्या मधुर होगा, देर शाम के समय उन छोटे जंगली कबुतरो की आवाज़ को सुनना, वहां पर बैठे हुए, जब गुटरगूं करते है? मेरी पत्नी और मेरी बच्ची को खोने के बाद, ... मैंने किसी एक को भी नहीं बताया कि मैं क्या कर रहा था। मैं हमेशा ही मेरी पुरानी कार को लेता, और वहां से उस रास्ते पर गाड़ी को चलाकर यहाँ बाहर वालनेट रिज के कब्रिस्थान पर जाता, वहां पास ही पेड़ के किनारे बैठ कर और उस कब्र को देखता रहता। मैं बस उन्हें ऐसे ही नहीं छोड़ सकता था। ऐसा दिखाई दिया मैं और ज्यादा नहीं खड़ा हो पाऊंगा। मैं सोचता, मेरी छोटी सी बच्ची, वहां पर पड़ी हुई है, आठ महीने की बच्ची। किस तरह से वह हमेशा ही अपने छोटे हाथों को पकड़े हुए होती, और मुझ तक पहुंचती, और मैं आवाज़ को करता और उससे कुछ कहता, और वह "गु–गु" करके अपने छोटे से हाथों को वहां तक पहुंचाती थी। और मैं नीचे बैठ जाता, उस पेड़ के

पास में, विशेष करके जब शाम का समय होता था। और वहां एक छोटा सा पेंडुकी झाड़ियों में आकर हमेशा बैठा रहता, वह गुटरगूं की आवाज को करता रहता। ओह, प्रभु! मैंने एक बार सोचा, यदि मेरी बच्ची का वह अमरहार प्राण वापस आकर और मुझसे बात करने की कोशिश करे। उस पेंडुकी की गुटरगूं की आवाज से कोई और मधुर आवाज़ नहीं हो सकती है। ये कैसी प्रिय है! वो सन्देश को लाती है! किस तरह वह शांति को लाने का यत्न करती है! सुबह भोर को उठकर और घने जंगल में जाकर, वहां नजदीक ही जहाँ में जाता रहता हूं, इसे सुनना क्या ही एक शांतिपूर्ण बात है! ठीक वहां उस ऊँचे लंबे पेड़ पर बैठी रहती, और वे एक दूसरे से पेंडुकी की गुटरगूं आवाज करते।

35 और एक दिन वहां भाई कोक्स के यहां, एक छोटी मां पेंडुकी के दो छोटे बच्चे थे। और वे ठीक इमारत के सबसे ऊपर बैठे हुए थे, जिससे कि वो बिल्ली उन्हें न पकड़ पाए। और वहां पर छोटी मां पेंडुकी उन्हें भोजन खिलाती थी। तब वह नीचे आकर और उन्हें लेती थी और उसे पेड़ में ले जाती और वहां पर बैठकर इस तरह से अपने गले को यहां–वहां एक दूसरे की ओर घूमाते और दिन भर गुटरगूं करते और प्रेम करते, दो छोटे सुशील, पेंडुकी के बच्चे।

36 और मैंने सोचा कैसे परमेश्वर (वो पेंडुकी बहुत ही एक प्रेमी पक्षी है) और वह पेंडुकी, परमेश्वर, उसके मनुष्य जाति के साथ उसके प्रेम को करना चाह रहा है। परमेश्वर प्रेम को करना चाहता है। परमेश्वर आप से प्रेम करना चाहता है। "परमेश्वर ने संसार से इतना प्रेम किया कि उसने अपने इकलौते पुत्र को दे दिया, कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह कभी नाश न हो, लेकिन उसके पास अनंत काल का जीवन हो।" प्रभु धन्य हो! तब परमेश्वर प्रेम को करना चाहता था उसके पास कुछ तो था... कुछ तो प्रेम को बनाना है। उसे कुछ तो सुशील बनाना था जैसा वह खुद है। उसे ऐसा कुछ तो बनाना था जिससे प्रेम किया जा सके। उसे कुछ तो बनाना था, जो उसका खुद का स्वभाव हो।

37 आप किसी से भी प्रेम नहीं कर सकते जो आपके खुद के स्वाभाव का नहीं हो। प्रेमी को प्रेम के साथ एक होना है। एक पति और पत्नी को एक दूसरे से प्रेम करना है, यदि वे हमेशा श्रेणी को बनाते है। परिवार को एक दूसरे से प्रेम करना है, यदि वे हमेशा श्रेणी को बनाते है। किसी को दो

प्रेमी बनना है! आप एक लड़की को पाने के लिए हर कहीं ढूंढते है, कि वो आपकी पत्नी बने, जिससे आप प्रेम करें। वह एक पति को पाने के लिए ढूंढती है जिससे वो प्रेम करे।

38 परमेश्वर ढूंढता है, एक प्राण को पाने की कोशिश करेगा, जिससे वह प्रेम कर सकता है। इसलिए, उसने यहाँ इस धरती पर खुद का प्रतिनिधित्व एक पेंडुकी की नाई किया और एक सुशील मेमना। यदि वह मेमना एक मिनट के लिए भी उस गुर्रिले भेड़िये के स्वाभाव को ले लेता है, तब वो पेंडुकी तुरंत ही वहां से उड़ जाएगा, वह वहां से दूर चला जाएगा।

39 लेकिन वह मेमना, उसके पास इसका अपना कुछ अधिक दिमाग नहीं होता है। मेम्ना एक ऐसी चीज है, जब वो खो जाता है, वो हताशापूर्ण खो जाता है। एक भेड़ कभी भी अपने वापसी के मार्ग को नहीं ढूंढ़ सकता है। इसी कारण से वह बकरा उसे उसकी मृत्यु की ओर अगुवाई करता है। एक भेड़ जो खो चूका है, वह उसके मार्ग को नहीं ढूंढ़ सकता है। इसी कारण से परमेश्वर हमें भेड़ के समान चाहता है। जब हम खो जाते हैं, हम खो गए हैं। हमारे लिए कोई जरिया नहीं है जिससे कि हम अपने आप को पा सके। और केवल इसे करने के लिए एक ही तरीका है वो यह है कि हम खुद को उस झुण्ड के चरवाहे को सौंप दें और वह हमारी अगुवाई को करता है।

40 अब जैसे हमने देखा है मेम्ना और भेड़ को एक साथ... मेरा मतलब मेमने और पेंडुकी को, एक साथ, एक बनते हैं। फिर देखना, कैसे पेंडुकी मेमने की अगुवाई करता है, वो परमेश्वर का पुत्र। वो कितना सुशील था, यह जानते हुए कि उसका वध होने जा रहा था। वो कितना सुशील था कभी भी उसने खुद से करने की कोशिश नहीं की, आत्मनिर्भर होने की कोशिश नहीं की। उसने कहा, "मैं कुछ भी नहीं करता हूं, जब तक पिता मुझे पहले नहीं दिखाता, और पिता मुझ में रहता है।"

41 अब मेमने की एक और बात है, मेमना उसके अधिकारों को सौपने की इच्छा रखता है। अब, परमेश्वर चाहता है कि हम मेमना बने, लेकिन वहां पर बहुत सी बार हम अपने अधिकारों को नहीं सौपना चाहते, हमारे अधिकारों को खोना नहीं चाहते। आप में से बहुत से लोग कहते हैं, "तो ठीक है, मेरे पास अधिकार है, भाई ब्रन्हम।" यह सही है, लेकिन क्या आप अपने अधिकारों को छोड़ना चाहते हैं? क्या आप अपने अधिकारों

को देने की इच्छा रखते हैं, जिससे परमेश्वर आपको चला सके? यही मामला आज की हमारी कलीसिया के साथ हैं, बहुत बड़ी संख्या में, कि वह परमेश्वर के मेमने की सुशीलता... हमें मेमना बनना चाहिए, हम मेमने को छोड़ कुछ भी बन सकते हैं। और यही वह कारण है, जैसे ही हम उस व्यवहार को करते हैं, पवित्र आत्मा का पेंडुकी वहां से उड जाता है, और छोड़ देता है।

42 यदि परमेश्वर का मेमना एक भेड़िया की तरह पहले गुर्राने लगता है, और कुछ भी उसके विपरीत जिसे सुशील पेंडुकी ने करने की उसे अनुमति दी है, वह पेंडुकी उसकी उड़ान को भर देगी। वह एक ही मिनट में छोड़कर चली जाएगी।

43 और यही आज वो कारण है जिसे हम सोचते हैं कि, "आज पेंटेकोस्टल चर्च के साथ क्या मामला है? " यह इसीलिए है कि हमने इस भिन्न स्वभाव को ले लिया है। हमने उस स्वाभाव को ले लिया है, "हमें हमारे अधिकार चाहिए। हम वो करने जा रहे हैं, जो हम जानते हैं, जिसे हमें करने के अधिकार है।" और हम एक अहंकारी बनते हैं। हम विरोधी बन जाते है। हम विभिन्न बन जाते हैं। हम गुस्से को आने देते हैं। हम स्वार्थ को आने देते हैं।

44 एक मेम्ना, जब समय आता है... वो उसके ऊन का मालिक होता है, जो उसका अधिकार है। वो उसके ऊन का मालिक होता है, लेकिन उस मेमने को लेकर और उस खांचे में डालते हैं और उसके पांव को नीचे से बांध देते हैं। वह कभी भी लात को नहीं मारेगा, वह कभी बहस नहीं करेगा। आप बस उसके अधिकारों को उसमें से निकाल देते है, क्योंकि वह एक मेम्ना है। वह कभी भी कुछ और नहीं कर सकता है, क्योंकि यही उसका स्वभाव है। लेकिन एक बार आप उस मसीही के राह को छोड़ देते हैं, आप पायेगे कि वह मेम्ना है या बकरा है। आप पायेगे कि वो क्या है, उसे एक बार परख करके देखो। और यही आज वो कारण है, हमारी कलीसिया और उसकी परिस्थितियां ऐसी है।

45 हम अपने आपको परमेश्वर का मेमना कह कर बुलाते हैं। और स्त्रीयां और पुरुष, मिलकर, परमेश्वर के मेमने को छोड़, हर एक तरह के आचरण को करते हैं। आप उन्हें रास्तों पर जाते हुए देख सकते हैं, और छोटे कपड़े पहने, बालों को कटाये, उनके सारे बालों को घुन्ग्रालू करते हैं। और कुछ वर्ष पहले आप बुलाते... आप वे... आप ऐसा करने के लिए उन्हें भाड़े पर

नहीं ले सकते। और तब आप सोचते होंगे कि वो कलीसिया इस तरह की परिस्थिति में क्यों है। यह इसलिए है, आपने उस विनम्र सुशील स्वभाव को लेने के बजाये एक भेड़िये या बकरे के स्वभाव को ले लिया है। और आप कहते हैं, "यह मेरा सौभाग्य है भाई ब्रन्हम।" मैं जानता हूं यह आपका सौभाग्य है। "नाई बालों को काटता है। और जब तक नाई आपके बालों को काटे तब तक क्या मेरे पास एक अधिकार नहीं है? " यह सही है, यह आपका अमेरिकन सौभाग्य है। लेकिन क्या आप एक मेमना बनने के लिए इसे छोड़ने की इच्छा रखते हैं। क्या आप अपने आप को समर्पित करने की इच्छा रखते हैं?

46 और आप महिलायें, ज्यादा समय नहीं हुआ, आप रास्ते पर जाती हैं... यह देखकर बहुत ही बेहूदा सा लगता है जिस तरह से आज वे महिलायें कपड़े पहनती हैं। और मैं प्रेस्बिटेरियन और मेथोडिस्ट के बारे में बात नहीं कर रहा हूं, और मैं उस होलीनेस महिलाओ के बारे में बात कर रहा हूं। आप रास्ते पर चलकर, और ये...

47 और इसे मैंने मेरे कार पर, मेरे सामने की तरफ एक छोटे से क्रूस को लटकाये रखा है, और किसी ने मुझसे कहा, "आप जानते है, यह एक कैथोलिक का चिन्ह है? "

48 मैंने कहा, "कैथोलिको को क्रूस पर कब चुनने का अधिकार मिला? " कभी नहीं। यह कैथोलिक के विश्वास का चिन्ह नहीं है; यह विश्वासियों के भरोसे का चिन्ह है। एक कैथोलिक का विश्वास तो एक छोटा मरा हुआ संत है, मरियम का, या—या कोई मरे हुए व्यक्ति का, जिसकी वे आराधना करते हैं। हम मरे हुए लोगों की आराधना नहीं करते। हम संत सेसिलिया की आराधना नहीं करते और वे सारे जो विभिन्न संत हैं। यही कैथोलिक मत है, जो की आध्यात्मिकता से ऊपर है। लेकिन क्रूस उसे दर्शाता है, जो मरा और फिर से जी उठा है।

49 और मैंने कहा, "मैंने रास्तो पर देखते हुए, उस क्रूस को वहां पर रखा है। पच्चीस वर्ष या तीस वर्ष पहले, जब मैं लगभग अंधा था, मैंने परमेश्वर से प्रतिज्ञा की, यदि वो मेरी आंखों को चंगा करता है, मैं सही चीजों की ओर देखुंगा।" और मैंने कहा, "आप हर कही देखो, यह पूरी तरह से अधार्मिकता दिखाई देती है, महिलाये अर्ध वस्त्र को पहनती हैं, और निवस्त्र महिलाएं चौराहों पर, और हर कहीं रास्तों पर पड़ी रहती है। इसे देखने की बजाय,

मैं क्रूस की ओर देखता रहता हूं, और याद करता हूं, जो मसीह ने मेरे लिए किया है, और मेरे सिर को उस चीज से घुमा लेता हूं... जो शैतान से है।" हाल्लेलुय्या!

50 और यह वे लोग हैं... यह न कहे यह, "प्रेस्बिटेरियन, कैथोलिक है।" यह पेंटीकोस्टल है! आमीन। आप कहते हैं, "मेरे पास इसका एक अधिकार है, भाई ब्रन्हम।" यह ठीक बात है, लेकिन यदि आप एक मेमने थे, आप अपने सारे अधिकारों को छोड़ देंगे। और यदि आप इस तरह से व्यवहार को करते हैं, पवित्र आत्मा, वो सुशील पेंडुकी ठीक वहां से अपनी उड़ान को भर देगी। वह आपके साथ कलंकित नहीं होगी। नहीं, नहीं, नहीं। आप कभी नही सोचे, कि आप इस तरह से व्यवहार करेंगे, और आपके पास पवित्र आत्मा है। आप इसे नहीं कर सकते हैं! बाईबल ऐसा कहता है। आपको अपनी उन चीजों को छोड़ना है... तो ठीक है, आप कहते हैं, "बाकी की स्त्रियां इसे कर रही हैं।"

51 और आप पुरुष लोग, जो बेचारे, छोटे, बिना हड्डी के, कायरता की बातों को करते हैं, आप अपनी पत्नी को इस तरह की कुछ चीजों को करने देते हैं, यह दिखाता है, आप किस चीज के बने हुए हैं। यही वो कारण है आपको पवित्र आत्मा नहीं मिलता, जिसे आप होने का दावा करते हैं, या तो आप उस विषय में बहुत कुछ करते, जिससे कि आप उसे एक महिला की तरह व्यवहार करने को लगाये, जब तक वो आपके साथ रहती है, कुछ भी हो। आमीन। यह पुराने ढंग के फैशन को दिखाता है, बालों का काटना। लेकिन यही है जो आज कलीसिया की आवश्यकता है, कि पुराने ढंग के फैशन को करें, पवित्र आत्मा आपको धो देता है, बाहर लटकाकर और सुखाता है, और स्त्री करता है, जो पवित्र आत्मा के द्वारा होता है। निश्चय ही!

52 और क्या ही परिस्थिति के अंदर आज दुनिया चली गयी है! और किस तरह से वे रास्ते पर आकर और इन चीजों को करते रहते हैं! कैसे आप अपने सिर को बुधवार की रात को टेलीविजन पर चिपकाये रखते हैं, और कलीसिया नहीं जाते हैं! कैसे आप... क्योंकि, लेकिन देश में एक बच्चा भी ऐसा नहीं है... जो डेविड क्रोकेट बारे में सब नहीं जानता हो। और वह बेहूदा झूठ जिसे वह बोल रहा है कि उसने तीन वर्ष की आयु में एक भालू को मारा, आप जानते हैं कि यह झूठ है लेकिन आप अपने बच्चों को उसे

देखने की अनुमति देते हैं। और वहां पर सौ में से एक भी बच्चा ऐसा नहीं होगा जो कभी यीशु मसीह के बारे में कुछ भी जानता होगा। यह इसलिए है क्योंकि यह संसार पूरी तरह से भ्रष्ट बन चुका है! यह राष्ट्र, पूरी तरह से भद्दा हो चुका है, और परमेश्वर से दूर चला गया है, पवित्र आत्मा को ठुकरा दिया है।

53 ओह, आप कहते हैं, "मैं कलीसिया जाता हूं, और चिल्लाता हूं।" आप शायद यह करते होंगे। लेकिन, जब तक वह सुशील परमेश्वर का मेमना, आपके हृदय में बस नहीं जाता, और आपके जीवन को साफ नहीं करता, और आपको एक भिन्न व्यक्ति के जैसे कार्य करने को नहीं लगाता, इससे कुछ भी अच्छा नहीं होगा कि आप एक मसीहत का ढोंग करें। आपके पास इसे होना है। आमीन।

54 यहां ज्यादा समय नहीं हुआ मैं एक बीमार व्यक्ति से मिलने के लिए एक घर के अंदर गया, और एक महिला जो वहां पर थी, वहां बैठी हुई थी। और एक छोटा सा ओसवाल्ड (मस्तीखोर लड़का) अंदर आया, उसके सिर पर तिर्शी टोपी रखी हुई थी, और कहा, "मम्मा, क्या रात का खाना तैयार है? "

55 उसने कहा, "प्रिय, हमें समय नहीं मिला," कहा, "क्या आज सुबह रात्रि का भोजन मिलेगा।" कहा, "मैं तुम्हारे लिए एक सैंडविच बनाती हूं।" कहा, "वहां पर कुछ नारंगीयां रखी हुई है।"

56 वो वहां पर चलकर गया और एक नारंगी को लिया, उसकी ओर देखा, और उसे चबाया और दीवार पर इतनी जोर से मारा, जितनी जोर से वो मार सकता था, और नारंगी का रस नीचे गिरने लगा, कहा, "यदि तुम्हें यहां पर यही चीजे मिलती है, तो मैं यहां से चला जाऊंगा," इस तरह से।

57 मैंने सोचा, "ओ परमेश्वर, यह मेरा पांच मिनट के लिए बेटा होना चाहिए था!" लड़के, जो उसमें छिपा है, मैं उसमें से ऐसे निकाल देता, जैसे उसे पता भी नहीं लगता कि ये निकल गया है। लेकिन वे उसे स्नेह और लाड देते है। उसे एक अच्छी तरह पुराने चलन की खाल को खींचने की आवश्यकता है। यही है जिसकी हमें आवश्यकता है, वही पुराने चलन के घरो की, और कुछ प्रचारकों की जो पुलपीट के पीछे खड़े होकर और सच्चाई को प्रचार करें, और वो इसे रखे जहां पर उन्हें रखा जाना चाहिए। आमीन। यह सही बात है। यह सच्चाई है। ओह, प्रभु!

58 छोटी मरियम अपने छोटे पांव को पटकती, और अपने छोटे नाक को ऊपर चढ़ाती, और अपने उन होंठो को कुछ गुलाबी रंग का करती है (जो मैक्स फैक्टर की चेहरे पर लिपा पोती करने वाली चीजो से) तान कर, और अपने छोटे से सिर को ऊपर करके घर के बाहर निकल जाती है। क्या ही शर्म की बात है! किस तरह से बच्चे हठ्ठी हो गए हैं! बाइबल ने कहा कि वे होंगे। वचन कहता है वे ऐसे होंगे। वे किस तरह से व्यवहार करेंगे, वह कैसे करेंगे, और आज यही बातें संसार में घटित हो रही है, क्योंकि उन्होंने पवित्र आत्मा को शोकित किया है।

59 कुछ वर्ष पहले। अब कुछ दिनों में, मैं जा रहा हूं, जहाँ पहली बार अमेरिका में पवित्र आत्मा उतरा था उसकी सालगिरह मनाने, जो पच्चास वर्ष पहले, उस वर्ष, उस पुराने अजुसा स्ट्रीट, पेंटीकोस्टल सभा, जो लॉस एंजेलिस में हुई थी, जहां पर उनका पवित्र आत्मा का उंडेला जाना हुआ था, जब वे लोग इकट्ठा हुए थे। जब मसीह उन लोगों के बीच में उतरकर आ गया, वे बस वैसे ही सुशील वैसे ही शांतिपूर्वक थे। उन्होंने भक्ति पूर्ण जीवन को जीया। उन्होंने बलिदान से भरे हुए जीवन को जीया। वे देने की चाह रखते थे। वह चाह रखते थे कि पवित्र आत्मा के द्वारा चलाए चलें। उन्होंने परवाह नहीं की कि लोगों ने क्या कहा, कि वे "पुराने चलन," के लोग थे, चाहे उन्हें "पागल" कहा गया हो या उसके बारे में जो भी कहे, वे पवित्र आत्मा के चलाये चलने के इच्छा रखतेब थे।

60 लेकिन, आज, ओह प्रभु, पाउडर को लगाये हुए और मेकअप बॉक्स (सजने सवरने के डिब्बे) को लेकर, और एक जोड़ी छोटे कपड़ों की लेकर, और रास्तों पर निकलती है, क्यों, यह एक शर्मनाक बात है! और अपने आप को वे "पवित्र आत्मा से भरे हुए," कहते है। ओह, आप कहते हैं, "लेकिन मैंने अन्य भाषा में बात की।" जी हां, शैतान भी ऐसा करता है। "ओह, मैंने चिल्लाया।" और शैतान भी ऐसा करता है। शैतान परमेश्वर की हर एक चीज की नकल कर सकता है, केवल प्रेम को छोड़कर, और वह प्रेम की नकल नहीं कर सकता है। जी हां।

61 तब, पहली चीज जो आप जानते हैं, जब आप उन चीजों को करते हैं, आप शराब के अड्डो पर जाते हैं, और उनसे समझौता करने लगते हैं, तब कलीसिया में कुड–कुड शुरू हो जाती है, उनके बीच में गुट बनने लगते है, और यह एक कहता है, "आप जानते हैं पास्टर का अभी *ऐसा–*

ऐसा हुआ," या "डिकन का अभी *ऐसा–ऐसा* हुआ।" और पहली चीज आप जानते हैं कि आप उन बातों को सुनते हैं। और इसी कारण से हम बहुत ही अधिक गड़बड़ी में आ जाते हैं, क्योंकि आप शैतान को सुनना आरंभ करते है, और गुर्राने को लेते है, बजाय उस सुशील पेंडुकी के, जो पवित्र आत्मा है, परमेश्वर की पेंडुकी जो आपको अगुवाई करेगा और नेतृत्व करेगा, आपसे प्रेम करेगा और आपको आशीष देगा।

62 पहली बार जब आपको वो छोटा सा एक गुस्से का दौरा पड़ता है, वो पेंडुकी वहां से उड़ कर चला जाता है। यह सही बात है। वह इस पर नहीं खड़ा हो सकती है। उसका स्वभाव भिन्न है। ओह, वो वहां पर खडी भी नहीं हो सकती है। और आप अपने पड़ोसी के बारे में बातें करते है, वह इस पर नहीं खड़ी होगी, वह उसके साथ नहीं बनी रहती है। वह तुरंत वहां से उड़ान को भरता है और वहां से दूर चला जाता है। वह उसके साथ और नहीं बने रह सकता। पेंडुकी सुशील है। पेंडुकी विनम्र है, और वो पेंडुकी, और—और ये कही पर भी नहीं खड़ी हो सकती है, जब तक यह उसके स्वभाव के जैसा नहीं हो।

63 अब, परमेश्वर आपको एक भिन्न स्वभाव का बना सकता है, पुरुष और महिला, वह आपको एक भिन्न स्वभाव को दे सकता है। और आप कहते है, "तो ठीक है, भाई ब्रन्हम, हम इसके बारे में क्या कर सकते है? " अब हमें केवल फिर से एक मेमना बनना है। यही केवल वे दो जानवर हैं, जो हमेशा एक साथ एकत्र होते हैं, वह है पेंडुकी और मेमना। वो पेंडुकी किसी और चीज पर नहीं आएगा सिवाय एक मेमने के। और यदि आप एक बकरा बनते हैं, तब आप अपने में से उस एक पुराने बकरे के आत्मा को दूर कर दे। यह सही बात है। यदि आप कुछ और ही बन जाते हैं, आप उन्हें अपने से दूर कर दे, यदि आप एक बक–बक करने वाले के पास आते हैं।

64 यहाँ एक समय, मैंने किसी एक शहर में बहुत ही कड़क प्रचार किया, जितना मैं कर सकता हूं, और वहां पर हजारों की संख्या में लोग थे। मैंने एक वेदी पर बुलावट को किया। मैंने सोचा मैंने सारे क्षेत्र के पाप के लिए बता दिया है, मैंने हर एक चीज को बताया, जो मैं सोच सकता था। उस रात को सभा खत्म के बाद छोटी सी नकचढ़ी महिला वहां पर चल कर आई, उसने कहा, "तो, भाई ब्रन्हम, मैं बहुत ही खुश हूं कि आपने आज रात को मेरा उल्लेख नहीं किया।"

मैंने सोचा, "यह निश्चय ही एक सच्ची मसीह है।" कहा, "आपने आज रात को मेरा उल्लेख नहीं किया।"

65 मैंने कहा, "अच्छी बात है, मैं निश्चय ही यह सुनकर बहुत खुश हूं, महिला, आप अवश्य ही परमेश्वर के राज्य के नजदीक होगी।" और वह वहां से पलटकर चली गई।

66 कोई बुजुर्ग महिला वहां पर खड़ी थी। मैंने कहा, "क्या आप उस महिला को जानती हैं? "

"जी हां।"

मैंने कहा, "वह निश्चय ही एक वास्तविक मसीही होगी।"

67 कहा, "एक चीज आप आज रात बताने से चूक गए, भाई ब्रन्हम जो बकवाद बातें करना था। वह इस देश की सबसे मुख्य बकवाद बातें करने वाली महिला है।" देखो, आप वही पर है, ऐसा ही है।

68 लेकिन जब आप उन बातों में से किसी एक पर आते हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि चाहे प्रचारक इस बात को पुलपिट में से, इन बातों को बताये या नही बताये, जब आप संसार की उन शारीरिक बातों को देखते है, जब तक आप उनके साथ असहनशील होते हैं, आप परमेश्वर से दूर होते हैं, और पवित्र आत्मा आपसे दूर चला जाता है। इसी कारण ये सभाये वैसे नहीं रही, जैसे ये हुआ करती थी। इसी कारण से आज सुबह भवन में, तम्बू की सभाये जन्म को नहीं लाती है। इसी कारण से बडे तम्बू की सभाये देश में कही भी नहीं होती है, क्योंकि हमने परमेश्वर के सुशील पेंडुकी को शोकित किया है। यह सही बात है। वो हमारे साथ ज्यादा देर तक नहीं बने रहता हैं, जब हम बिल्कुल भिन्न हो जाते हैं, जब तक हम पीठ पीछे बात करते हैं, "हम अपने रास्तो को चाहते हैं!"

69 अब, मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, वह मेमना एक शांत मेम्ना था। बाईबल ने कहा, "उसने अपने मुंह को न खोला। जैसे एक भेड़ ऊन काटने वाले के सामने होती है, वह मौन था।" उसने अपना मुंह न खोला। वह एक ऐसा व्यक्ति नहीं था, जो उसके अधिकारों को चाहता हो। नहीं, श्रीमान, वह उसके अधिकार को देने का इच्छुक था। वो एक शांत मेम्ना था।

70 लेकिन, आज ओह, हम अपनी किस तरह की भिन्नता को चाहते हैं! ओह, प्रभु! "मैं आपको बताता हूं, आप बस कहते है, कोई मुझे कुछ कहने

तो दो, मैं वहां जाकर, उसे देख लुंगा, भाई मैं उसके टुकड़े कर दूंगा।" "मैं उस पुरानी ढोंगी को बताऊंगा, जैसे ही मैं उस महिला को देखुंगा! आप बस रूके रहना, जब तक मैं उसे देख नहीं लेता! परमेश्वर धन्य है, हाल्लेलुय्या! हूं–हुंह!" वह पेंडुकी उसकी उड़ान को ले लेता है और दूर निकल जाता है। यह सही बात है। पवित्र आत्मा आपके साथ अब और अधिक नहीं रहता है, जब तक आप इस तरह से महसूस करते हैं। इस बात को किताब में लिख लेना, यह इसे कभी नहीं करेगा। पवित्र आत्मा वहां नहीं बना रहेगा, जहां पर इस तरह का आत्मा होता है। इसे एक मेमने का आत्मा होना है, एक सुशील आत्मा, या यह उसके साथ नही बना रहेगा, इसके साथ ऐसा ही होना है; यदि यह एक सुशील, विनम्र नहीं है, पवित्र आत्मा के द्वारा नहीं चलता है। और यदि वहां कुछ भी ऊपर आता है, यह बस उसे ध्यान भी नहीं देता है, वो केवल आगे बढ़ते रहता है। समझे? और उसी मिनट पर ये एक तरफ हट जाता है, आप जानते हैं, बिल्कुल उसी... जब आप एक तरफ हट जाते हैं।

71 आप जानते हैं, पहला पाप एक व्यक्ति के केवल एक मिनट दूर होने की वजह से आरंभ हुआ। क्या आपको यह पता हैं? बाईबल ने ऐसा कहा। हवा एक मिनट के लिए वहां से हट गई, शैतान को जो कहना था, उस बात को सुनने के लिए, और उसने एक तस्वीर को चित्रित किया, जो हवा को बहुत ही आकर्षक लगी, इतना तक कि उसने सोचा कि यह सच्चाई है। और उसने उसकी बात को सुना।

72 और केवल यही चीज शैतान चाहता है कि आप करें, केवल एक मिनट के लिए आप बस हट जाए। वो एक तस्वीर को चित्रित कर सकता है, कहेगा, "अब यहाँ सुनो, आप जानते हो, भाई, आप जानती हो, बहन, यदि वे सही तरह के लोग होते तो, वे *ऐसा* नहीं करते। यदि उन्होंने *यह* यहाँ सही किया होता, आप जानते हो।" वह इसे इतना वास्तविक बनाता है, जब तक यह आपके लिए एक वास्तविक सच्चाई नहीं बन जाती है। यह सही बात है! लेकिन याद रखना, यह शैतान है।

73 मैं परवाह नहीं करता कि वे कितने नीचे गिर चुके हैं, वे पाप में कितने दूर तक गिर चुके हैं, यह आपका काम है कि आप उनके कंधों पर हाथों को रखकर और उन्हें परमेश्वर के प्रेम के द्वारा ऊपर उठाये। आप कहाँ पर थे, जब परमेश्वर के पेंडुकी ने आपको उस कीचड़ में से ऊपर उठाया?

यह आपका काम है, मेरे दोस्तों। यह संसार जरा से प्रेम के लिए मर रहा है। वो...

74 मैं आपसे चाहता हूं कि आप इस जानवर पर भी ध्यान दें, एक छोटे से जानवर पर, यह एक शांत मेमना था क्योंकि उसने कभी भी नही... जब उसे गाली दी गयी, उसने वापस गाली नहीं दी। वो किसी को बुरा कहकर और आगे नहीं बढ़ा, वो वाद–विवाद करके और दम देकर और आगे नहीं बढ़ा, उसने ऐसा नहीं किया। जब किसी ने... जब उसे गाली दी गयी, उसने उसके मुंह को नहीं खोला।

75 लेकिन किसी को आप, आपको और मुझे कहने तो दो, ओह, आप फट जाते है, जैसे एक दुष्ट मेंढक लोहे की गोलियां चबा रहा हो, एक बूढ़े बतख के जैसे—जैसे फुल जाते है। "मैं आपको ठीक अभी बता देता हूं, उसने मेरे पैरो के ऊपर फिर से पांव को रखा है, अब मैं उस पुरानी कलीसिया में फिर से नहीं जाऊंगा। नहीं, श्रीमान! प्रभु धन्य है! हाल्लेलुय्या! वे नाजरीन वाले मुझे स्वीकार करेंगे, वे पिलग्रिम होलीनेस वाले, वे मुझे ले लेंगे। हाल्लेलुय्या। मुझे इसे अब और अधिक नहीं करना है।" अच्छी बात है, वो पेंडुकी अपनी उड़ान को ले लेता है।

76 "आप जानते हैं, क्या? वह पुराना ढोंगी यदि वो उस में कलीसिया जायेगा, मैं फिर से वहां नहीं जाऊंगा। परमेश्वर धन्य है, मैं ऐसे नहीं करूंगा!" जब यह उस पुराने भेड़िए की गर्जन आपके पास आती है, पेंडुकी अपनी उड़ान को भर देती है। सही बात है। तब पवित्र आत्मा चला जाता है।

77 तब आप सोचते हैं, आपके साथ क्या मामला है। आप सोचते हैं कलीसिया के साथ मामला है। आप सोचते हैं, आपके साथ क्या मामला है। आपको क्यों जय नहीं मिल रही है, जैसे आप को हमेशा मिलती थी? आपने अपने स्वभाव को बदल दिया है। आप मेम्ना बनने के बजाये, एक बकरा बन गए हैं। मेम्ना बनने के बजाये, आप कुछ तो और ही बन गए हैं।

78 आपको उसके लिए, आपको सच्ची आत्मा को लेना होगा, "पवित्र आत्मा मेरी अगुवाई करें, जो कुछ भी हो। परमेश्वर, मैं हर एक पापी से प्रेम करता हूं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कहां पर है।" इस तरह का स्थान मनुष्य के ह्रदय में होना है, तब आप कुछ तो बात को होते हुए देखेंगे, आपके प्राण में।

79 आप कहते हैं, "तो ठीक है, भाई ब्रन्हम, क्या इसके लिए कोई उपाय है?" जी हाँ, आपको केवल एक मेमना बनना है, ऐसा ही है। आप कहते हैं, "तो ठीक है, भाई ब्रन्हम!"

80 मैं एक रात शेवरेपोर्ट में एक युवा महिला से मिला। बिली और मैं सभा समाप्त होने के बाद, हम सैंडविच लेने के लिए गए। एक सुंदर महिला वहां पर आई, शायद वह एक युवा लड़की थी, या हो सकता है बीस वर्ष की या ऐसे ही कुछ, अच्छे कपड़े पहने हुए थी। वहां बैठ गई। मैंने ध्यान दिया कि वह उस रास्ते की ओर लगातार देख रही थी। मैंने खाना जारी रखा। कुछ मिनटों के बाद वह महिला अन्दर आयी। उसने कहा, "आप कैसे हैं?" मैंने उससे बात की। मैं जानता था कि वह महिला बहन डेविस थी, जो वहां की थी। और वो और दूसरी महिला जो लाइफ टेबरनिकल से थी, मैं उन्हें अच्छी तरह से जानता था, उसने वहां आकर और मुझसे बात की और चले गए। तब वो युवा महिला वही पर बैठी हुई थी, उसने कहा, "आज रात का बहुत ही अच्छा संदेश था।"

81 मैंने कहा, "आप कैसी है, बहन?" मैंने कहा, "आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।" और मैंने कहा, "क्या आप लाइफ टेबरनिकल की सदस्य हैं?"

82 उसने कहा, "मैं सदस्य हूं।" उसने कहा, "आप जानते हैं, भाई ब्रन्हम मैं उस झुंड में गा सकती हूं, लेकिन उन्होंने वहां पर प्रतिबन्ध को लगाया है।" उसने कहा, "मैंने, ओह, बहुत वर्षों से आवाज और इत्यादि का प्रशिक्षण लिया है।" और कहा, "मैं अकेली गा लेती हूँ और विभिन्न तरह से गा लेती हूं।" कहा, "लेकिन मैं गा नहीं पाती, क्योंकि उन्होंने—उन्होंने एक प्रतिबन्ध को लगाया है, कि 'कोई भी पैंट पहनी हुई महिला झुंड में नहीं गा—गा सकती है।'"

मैंने कहा, "अच्छी बात है, लाइफ टेबरनिकल के लिए परमेश्वर की स्तुति हो!"

83 उसने कहा, "तो ठीक है, मैं आपको कहती हूं, भाई ब्रन्हम," उसने कहा, "मैं एक मसीही हूं।"

84 मैंने कहा, "तब, बहन, घर जाकर और अपने चेहरे को धोना, या जो भी आप करती है।" मैंने कहा, "तुम्हारा मुझे कहने का ये मतलब है कि तुम्हे यह बहुत ही एक छोटी सी बात लगती है, जैसे तुम अपने चहरे पर कुछ पुराने आभूषण को पहनती हो... "

85 और मैं आपको साबित कर सकता हूँ, यह शैतान की ओर से है। मैं आपको साबित कर सकता हूँ यह कुछ और नहीं... इसकी मुख्य जड़ मूर्तिपूजक से हैं। और जब तक आप इसे पहनती हैं, यह मूर्तिपूजा की छाप है। अब, मैं अभी–अभी अफ्रीका से आया हूं, और मैं होट्टेन्टोट के जंगलो में रहा हूँ, और मैंने देखा है कि ये कान के लटकन, बिल्कुल वैसे ही है जहाँ से ये आये है, जहाँ से ये सारे अन्य आभूषण आये है, और ये सब, बहुत से आभूषण अपने ऊपर डाले हुए, गले पर, कानो पर, हर एक चीज, जहाँ से यह आए हैं। ये मूर्तिपूजा है। और बाइबल नहीं चाहता है कि एक मसीही एक मूर्तिपूजक होना चाहिए। और आप नहीं चाहती हैं... मैं नहीं कहता हूं कि आप एक मूर्तिपूजक है, क्योंकि आप ऐसा करती हैं, लेकिन आप अपने आप को उनमें से एक की तरह बनाती है। यह इसलिए है क्योंकि आपके पास्टर ने आपको सच्चाई को नहीं बताया है। बाईबल ऐसा कहता है।

86 और अब आप कहती हैं, "मैं सोचती हूं यदि मैं अपने बालों को छोटा करती हूं, इससे मुझे ठंडक लगती है और इत्यादि बातें।" अच्छी बात है। लेकिन यदि आपके पास लम्बे बाल है, तो भी ठंडक होगी। सारे बालों को आप कंधे पर उठाकर और ऊपर की तरफ सही तरह से बांध ले, और अच्छी तरह से सवार ले।

87 क्यों, आप जानते हैं बाईबल ने क्या कहा? कि एक मनुष्य के पास अधिकार है, कि अपनी पत्नी को दूर रखें, और उससे तलाक ले ले, यदि स्त्री अपने बालों को कटवाती है। यदि वो कटवाती है, तो यह दिखाता है वह उसके साथ सच्चा जीवन नहीं जी रही है। बाईबल ऐसा कहता है, पहला कुरन्थियों 12 में आप देखे यह बात सही नहीं है तो। वो... एक महिला जो अपने बालों को काटती है वो अपने सिर का अपमान करती है, जो उसका पति है। और यदि वह अपमान करती है, तो उसे तलाक दे देना चाहिए और उस से दूर होना चाहिए। यह सही बात है। लेकिन, देखो, वो पास्टर कभी भी आपको उन चीजों को नहीं बताएगा। और यही वह कारण है, आप जिस तरह से भी करना चाहते है, करते है। और—और वह पुरुष, बाईबल ने कहा...

88 ज्यादा समय नहीं हुआ किसी ने कुछ तो लिखा था और कहा, "भाई ब्रन्हम,... वे कुर्तियाँ जो महिलाये पहनती है," कहा, "क्योंकि, इस तरह

की... आपको इस तरह की कुर्तियाँ मुश्किल से ही मिलेगी, और क्या हम मसीही महिलाओं के लिए पोलिस्टर का कपडा, नायलॉन, और जो कुछ भी इस तरह का है, ये पहनना ठीक होगा? ”

89 मैंने कहा, “देखो, बहन, इस विषय पर एक बात है। यहाँ पर एक चीज सच्ची है। आप यह कर सकती हैं; यदि आप नहीं खरीद सकती हैं, तो वे सिलाई की मशीनों को बेचते हैं, आप उसे बना सकती हैं।” मैंने कहा, “यह सही है। आप इसे वैसे ही बनाये... ” मैं सोचता हूं... आप जानते हैं, आपके हृदय में जो होता है, वो अपने आप में व्यक्त करता है। जिस तरह से आप चाहते है, आप उस तरह का व्यवहार करते हैं, यह दिखाता है कि आपमें क्या है।

90 इसी कारण से यहां पर ये सब विवाद और बहस होती है, और पीठ पीछे बात करना, और—और पीछे से चुगली करना होता है, और कलीसिया में यह बढता जाता है, इसी कारण से कलीसिया टुटने लगती है। यह दिखाता है शैतान आपके अंदर चला गया है, और यह दिखाता है पवित्र आत्मा ने आपको छोड़ दिया है। अब, मैं जानता हूं यही है जो अभी आपमें से कुछ लोगों में से राल को जला कर निकाल रहा है, लेकिन इसे इसी तरह से करना चाहिए। ऐसा होना चाहिए! इसी कारण से इसे कहा गया है; चालाक बनने के लिए नहीं, ना भोला व्यवहार करने के लिए, लेकिन आपको बताने के लिए कि गड़बड़ी कहां पर है, क्योंकि किसी दिन मुझे वहां पर खडे रहना होगा, और आपके लिए जवाब देना होगा। और यही वह कारण है, आप ऐसा करते हैं, आप उस तरह से व्यवहार करते हैं, यह दिखाता हैं कि आप क्या हैं। यदि आप पुराने गर्म स्वाभाव के व्यक्ति हैं, जो थोड़ी–थोड़ी बातों में आपे से बाहर हो जाते हैं, यहां पर आते है और वैसे ही करते जाते है, या निंदा करते हैं, अश्लीलता, इसी तरह की भिन्न बातें, यह दिखाता है कि यह कहां से आ रही है।

91 अब वहां पर करने के लिए एक ही चीज है, वहां से उन चीजों को बाहर कर दो, और वो पेंडुकी आपके ह्रदय में वापस आ जाएगा। जब वह पेंडुकी जहाज से चली गयी, वो मुड कर चली गयी थी। लेकिन वो वापस आ गयी और जहाज के दरवाजे पर खटखटाने लगी, जब तक नुह ने उसे अन्दर नहीं ले लिया। [भाई ब्रन्हम पुलपीट को खटखटाया—सम्पा।] पवित्र आत्मा यहाँ पर है। पवित्र आत्मा अन्दर आना चाहता है। यही वो

कारण है, आज, वो पवित्र आत्मा, वो आपमें से, हमेशा के लिए नहीं गया है। ये केवल पेड के डालियों में कही तो बैठा हुआ होता है, वो स्वयं ही उड़कर वापस आने के लिए तैयार है, आपके अन्दर आने के लिए, और आपको प्रेम और शांती और आनंद देने के लिए, जैसे आपके पास हमेशा हुआ करता था। निश्चय ही, ऐसा है। वो इसे करने के लिए तैयार है। वो इसे करना चाहता है। वो इसे करने के लिए रुका हुआ है। लेकिन आप उसे ऐसा नहीं करने देते हैं।

92 अब, मैं आप अजनबीयों से बात नहीं कर रहा हूं। मैं नहीं जानता आपका पास्टर कौन है... मैं ब्रन्हम टेबरनेकल से बात कर रहा हूं। मैं आप लोगों से बात नहीं कह रहा हूं जो दुसरी कलीसियाओ से हैं। मैं ब्रन्हम टेबरनिकल से बात कर रहा हूं। यही वो समस्या यहाँ पर है।

93 यही है जो पेंडुकी को उसके उड़ान को भरने को लगाती है। बस कोई तो, कुछ छोटी सी ऐसी बात कलीसिया में लगभग आरंभ करता है, और पहली बात, "ओह, क्या ऐसा हुआ? ओह, क्या... ? क्या तुम्हारा ऐसा मतलब नहीं है? " ठीक तभी पवित्र आत्मा चला जाता है, दूर उड़ जाता है। वह बस उस तरह की आत्मा के साथ नहीं खड़ा हो सकता है। जब तक वो मेमने का स्वभाव आप में से छोड़ कर नही जाता है, तब पवित्र आत्मा चला जाता है। । यह सही बात है। और यही आज वो वजह है। यही वह कारण है लोग इस परिस्थिति में है, क्योंकि वे अपने हृदय के अंदर, उनके जीवन में उस गलत आत्मा को आने देते हैं। अब यही वह कारण है हमारे पास...

94 बाइबल ने कहा यही वह कारण है वहां पर बहुत सारे बीमार और पीड़ित लोग हमारे बीच में हैं, क्योंकि इस तरह की बातों की वजह से। हमें अवश्य ही सुशील बनना है। हमें अवश्य ही शांतिपूर्ण बनना है। हमें अवश्य ही एक मेम्ना बनना है, इसलिए कि वह पेंडुकी हमारे अंदर बना रहे।

95 अब, याद रखना पेंडुकी आएगा। उसने कहा, "ओह, भाई ब्रन्हम, मुझे मत बताओ कि मैंने कभी भी पवित्र आत्मा को नहीं पाया है। हाल्लेलुय्या! नीचे, रात्रि को, वहां एक रात्रि, ओह, वो अन्दर, जब वो अन्दर आया तो मैं चल भी नहीं पा रहा था... " निश्चय ही, यह पवित्र आत्मा था! "ओह, मैंने बहुत अच्छा महसूस किया, मैंने ऐसा महसूस किया, जैसे पेड़ की सारी छोटी चिड़ियाओ को लेकर और उसे गले मिल सकता और उनसे प्रेम

करता। मेरा सबसे जो दुष्ट व्यक्ति है जिसने कभी मेरे साथ कुछ भी गलत किया है, मुझे ऐसा महसूस हुआ, जैसे मैं अपने बाहों को उन पर रखकर और उनसे गले मिल सकता। ओह, भाई ब्रन्हम, मैंने इस तरह से अनुभव किया!" निश्चय ही, यह पवित्र आत्मा था।

96 लेकिन, आप उस कारण को देखो जिससे वह बना नहीं रह सका। आप तब एक मेम्ना थे; लेकिन जब आप एक भेड़िया बन गये, उसे अपनी उड़ान को भरना था। पेंडुक के साथ—साथ—साथ कुछ भी गलत नहीं है; यह तो आप हैं, और... आप उस आत्मा को अपने अंदर आने देते हैं। "क्या मैंने ऐसा किया भाई ब्रन्हम? " हां, जब आप व्यर्थ बातों को सुनना आरंभ करते हैं, जब आप उस झूठ को सुनते हैं, और आप जाकर कहते हैं, "तो ठीक है, मुझे यह करने का अधिकार है!"

97 आपके पास कोई भी अधिकार नहीं है! आपको एक दाम देकर लाया गया है, जो उस परमेश्वर के पुत्र का बहुमूल्य लहू का दाम है। आपके पास कोई वैध अधिकार नहीं है। हाल्लेलुय्या! केवल आपके पास जो अधिकार है, वो ये है कि आप उस लहू से भरे हुए सोते के पास आये जो इम्मेनुएल की नसों से बह रहा है, जब पापी उस बहाव के नीचे होते हैं, अपने सारे दोष के धब्बो से साफ हो जाते है। जी हां, श्रीमान। केवल वही अधिकार आपके पास है, परमेश्वर के लिए अपनी खुद की इच्छा को समर्पित करे, और परमेश्वर आपको वहां से लेकर आगे की ओर अगुवाई करता है। इसी कारण से ये सभायें होती है... यही वह कारण है कि बहुत सारी असामान्य बातें होती है। पवित्र आत्मा एक स्थान पर जायेगा, वो पवित्र आत्मा कहता है, "यह सही नहीं है। इस सभा को रोको, उधर जाओ।" भाई, मैं भी इसे रोककर, और सीधे आगे बढ़ जाऊंगा। यह सही बात है, क्योंकि आपको परमेश्वर की आत्मा के चलाये चलना होगा। और केवल परमेश्वर की आत्मा के चलाये चलने का एक ही तरीका है, कि सुशील बने रहे, आपको बहुत सारी चीजो को जानने की आवश्यकता नहीं।

98 "ओह," आप सोचते हैं, "मैं बहुत कुछ जानता हूं।" जी हां, आप अपने दिमाग को बहुत चलाते है और यह अपने आप में काम भी नहीं कर सकता है। आप इन सारी किताबों को जानते हैं और सारे जवाबो को जानते हैं, और सारे यूनानी और सारे इब्रानी को और वहां पेंडुकी के बैठने के लिए कोई स्थान भी नहीं होता है। यह सही बात है। लेकिन आप यह सब जानते

हैं, तब पेंडुकी अगुवाई नहीं कर सकता है, क्योंकि आप कुछ ज्यादा ही जानते हैं।

99 मेमना दावा नही करता है, वो कुछ भी नहीं जानता है। इसके पास कोई तो और इसकी अगुवाई करने के लिए होना हैं। महिमा! ऐसा ही है। कुछ भी नही जानता है! आमीन। केवल एक ही बात है जिसे मैं जानता हूँ, वो है, यीशु मसीह मुझे बचाने के लिए मरा।

100 वहां कैलिफ़ोर्निया में एक व्यक्ति चल रहा था, उसने अपने आगे कुछ तो लिख कर रखा था, "मैं मसीह के लिए पागल हूं," और पीछे की तरफ लिखा था, "आप किसके लिए पागल है?" यह सही है। संसार के लिए, आप एक पागल बनते है, जिससे कि आप पवित्र आत्मा के चलाए चल सके, क्योंकि परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां पवित्र आत्मा के द्वारा चलते हैं। रोमियो 8:1 ने कहा, "इसलिए उन पर कोई दोष नहीं, जो मसीह यीशु में है, जो शरीर के अनुसार नहीं चलते, लेकिन आत्मा के अनुसार चलते हैं," भेड़िये के पीछे नहीं, लेकिन पेंडुकी के पीछे चलते है।

101 डॉक् हमेशा ही एक गीत गाते हैं, "मेरे हर एक दिन के मार्ग को, प्रेम के साथ भर दे, जैसे मैं स्वर्गीय पेंडुकी के साथ चलता हूं; मैं हर समय इस एक गीत मुस्कुराहट के साथ गाता जाऊं, मेरे हर एक दिन के मार्ग को प्रेम से भर दे।" क्या ही शांतिपूर्ण दिन ब्रन्हम टेबरनिकल के लिए होगा, किसी और कलीसिया के लिए या किसी व्यक्तिगत के लिए भी, जब वे उनके अधिकारों को छोड़ देंगे, एक मेमना बनने के लिए।

"सवाल क्या है, भाई ब्रन्हम?"

102 एक मेमना बनने के लिए वापस आये, सुशील बनने के लिए वापस आये, कुछ भी न जानने के लिए वापस आये, वापस आकर बस अपने आप को मसीह के लिए सौप दे। कोशिश न करें, कुछ भी जानने की कोशिश न करें। केवल नम्रता से चलें, शांतिपूर्वक, दीन, सुशीलता से, और पेंडुकी आपकी अगुवाई करेगा। लेकिन जब कभी आप देखते हैं... उस व्यर्थ पीठ पीछे बातें करने वालो को सुनते है, जब कभी भी आप गुस्से में आते हैं, जब कभी भी आप यह सोचना आरंभ करते हैं कि मुझे *ऐसा* करने का और *वैसा* करने का अधिकार है, पेंडुकी तभी अपनी उडान को भरती है, और दूर चली जाती है। तब ये आपके पास और नहीं रहता है। अब, कलीसिया, पेंडुकी

आज सुबह आपसे ज्यादा दूर नही है। वो ठीक वहां डाली पर बैठी हुई है, आपके स्वाभाव के बदलने के लिए रुकी हुई है। आमीन।

103 आज आपकी जो आवश्यकता है कि आप अपने सारे अधिकारों को सौप दे, कि परमेश्वर आपको नीचे रख कर और आपके सारे अधिकारों को आप में से मुंडन कर दे। आमीन। क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कैसे उस एक छोटे से पुराना मेमने के ऊपर वो सारी—सारी ऊन लटकती हैं? जो उसके अधिकार हैं। जी हां। [भाई ब्रन्हम एक मेमने की तस्वीर का अनुसरण करते है।—सम्पा।] गर्म करते है, और फिर वहां उसे उस काटने वाले टेबल पर बस लेटा देते है। वे जानते हैं कि उसके लिए अच्छा क्या है। उसके सारे अधिकारों को उसमें से निकाल देते है और ऊन को काटकर निकाल लेते है, तब वो कितना धेर्य और हल्का होकर चलने लगता है। ओह, प्रभु, वह खुशी के मारे यहां–वहां कूदने लगता है, और उसके पास एक बहुत महान समय होता है। जी हां, श्रीमान। यदि आप अपने अधिकारों को छोड़ देते हैं, तो यही चीज आपको मिलती है। लेकिन आप को आपके अधिकारों को छोड़ना होगा, और परमेश्वर के वचन को आप में से सारे संसार का मुंडन करने दे, संसार की सारी आदतों को निकालने दे, और आप मसीह में एक नई सृष्टि बनते हैं।

104 यहां कुछ समय पहले, अफ्रीका में, मैं एक बूढ़े संत से—से बात कर रहा था। उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं जानता हूं कि आप अलौकिक पर विश्वास करते हैं।"

मैंने कहा, "निश्चय ही, मेरे भाई।"

105 उसने कहा, "वर्षों पहले मैं हमेशा ही सोचता था कि मैं कुछ तो हूँ।" कहा, "मैंने सोचा कि मैं एक सच्चा मसीही था।" और उसने कहा, "तब ऊपर हमारे कलीसिया में... मुझे एक पहाड़ी पर चढ़ कर जाना था, जहाँ पर मुझे अपनी छोटी सी कार को रोक पड़ा।" और कहा, "मुझे पहाड़ी पर चढ़ना था, ओह, लगभग तीन सौ या चार सौ गज तक, और वहां झाड़ियां और इत्यादि यहाँ–वहां दिखाई दे रही थी, मैं ऊपर जा रहा था।" और कहा, "हमारी वहां पर प्रार्थना की सभाये होती है।" और कहा, "मैंने सोचा कि मैं सच्चा मसीही था।" उसने कहा, "मैं सारी बाईबल को जानता था। मैंने सारे इब्रानियों पर अध्ययन किया। मैंने सारे शब्दों के सही उच्चारण पर अध्ययन किया।" और कहा, "कोई भी मेरे पास आये, मैं कर सकता हूँ।"

[भाई ब्रन्हम अपनी उंगली से चुटकी बजाते है—सम्पा।] "उनसे बाइबल के बारे में यूं बात कर सकता हूँ। मैं जानता था मैं जिस विषय पर बोल कर रहा था।" उसने कहा, "एक रात मैं ऊपर कलीसिया के लिए जा रहा था। हमारी कलीसिया में बहुत सारे मत भेद थे।" कहा, "वहां पर एक दूसरे के विरोध में छोटे–छोटे झुंड थे। आप जानते हैं, ये किस तरह से बढते जाते हैं।"

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान।"

106 उसने कहा, "मैं अपने पहाड़ी के रास्ते पर चल कर जा रहा था, और अचानक ही, मैं सचेत हो गया कि कोई तो मेरे पीछे–पीछे आ रहा था।" और उसने कहा, "मैंने सोचा कि मैं थोड़ा सा रुक कर देखुंगा कि कौन था, उसे साथ लेकर और मैं उससे कुछ बात करता हूँ, जब हम ऊपर रास्ते पर जा रहे है।" आप जानते हैं, यह एक प्रकार की अच्छी बात है, कि आप तब थोड़ी देर के लिए रुके रहते है। और कहा, "जब मैं ऊपर पहाड़ी पर चलकर गया।" कहा, "मैं ऊपर आ गया। और एक मनुष्य ऊपर पहाड़ी पर आया।" और कहा, "उसके पीठ पर एक गठ्ठा था जो उस मनुष्य से भी बड़ा था।" और कहा, "वो बस हांफ रहा था और हिल रहा था, और वो छोटे–छोटे कदमो को ले रहा था, ऊपर आने की कोशिश कर रहा था। और मैंने कहा, 'भाई, क्या मैं बोझ को ऊपर ढोने में सहायता कर सकता हूँ? ' उसने कहा, 'नहीं, मैं इसे कर लुंगा।'" कहा, "मैंने उसके हाथों की ओर देखा।" कहा, "तब मैं जान गया यह एक दर्शन था। उसके हाथों में घाव के निशान थे।" कहा, "मैं नीचे गिर पड़ा, और कहा, 'प्रभु, आप उस बोरी में संसार के पापों को ढो रहे है? ' उसने कहा, 'नही, मैं तुम्हारे पापों को ढो रहा हूँ। मैं केवल तुम्हे ऊपर पहाडी पर ले जा रहा हूँ, सिर्फ इसलिए कि तुम ऊपर पहुँच सको।'"

107 यह इसी तरह से है। यह हम केवल इसको–उसको देखते है, हम पाते है कि वो हमारे पापों को ढो रहा है। क्या ये आपको छोटा महसूस करने को नहीं लगाता है? हमारे दुष्ट, निर्दयी ह्रदय है क्योंकि हम इसे कर सकते हैं!

108 यहां कुछ वर्षों पहले मैं शिकार कर रहा था। जैसे आप जानते हैं कि मैं शिकार करना पसंद करता हूं। और वहां उस देश में एक दुष्ट व्यक्ति रहता था, वह एक दुष्ट मनुष्य था। और वह हमेशा ही मेरा मजाक उड़ाता

था क्योंकि मैं हिरणी और हिरण के बच्चो का शिकार नहीं करता था। मैंने कहा, "यह कठोरता है।" मैंने कहा, "तुम क्यों एक सच्चे और साफ़–सुथरे शिकारी नहीं बनते हो, और उन बूढ़े हिरन और इत्यादि को क्यों नहीं मारते हो, जो बूढ़े है और मरने पर होते हैं। परमेश्वर ने उन्हें हमें दिया है। और जवान माँ और इत्यादि को छोड़ दो... "

109 उसने कहा, "हे, तुम एक डरपोक प्रचारक हो।" वो हमेशा ही मुझे ऐसा कहता रहता था।

110 मैंने कहा, "अब, देखो, यदि मुझे भूख लगी है, और मैं उनमें से एक हिरण के बच्चो को चाहता हूं, मैं सोचता हूं परमेश्वर ने मुझे इसे खाने के लिए दिया है। लेकिन तुम केवल होशियार बनने के लिए उस पर गोली से मारते हो," तो वो अपनी गाड़ी को निकालता और वहां जाकर हिरण को पुकारने लगता। और वो एक तरह की सीटी को बजा सकता था, जो बिल्कुल वैसे ही होती थी, जैसे कि एक छोटा सा हिरण का बच्चा बुला रहा है। एक दिन हम झाड़ियों में एक साथ थे। मैंने उसे लज्जित करने के लिए मैंने कहा, "मुझे अपने आप पर शर्म आती है।" एक समय में वो आठ या दस हिरण के बच्चों को, हिरनी और इत्यादि को, मार सकता है, केवल होशियार बनने के लिए, हो सकता है वो उनका एक चौथाई भाग ही वो काटता होगा, और बाकी का ऐसे ही वहां पर छोड़ देता होगा। मैंने कहा, "तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।"

"हे," कहा, "तुम प्रचारक लोग बहुत ही डरपोक हो!"

111 एक दिन वो वहां झाड़ियों के पीछे खड़ा था, वो उसने हाथ में सिटी को पकड़े हुए था और उसने सिटी को बजाया और उसने ऐसी आवाज निकाली जैसे एक छोटा सा हिरण रो रहा हो। जैसे ही उसने ऐसा किया, एक सुंदर सी हिरनी ने अपने सिर को बाहर निकाला और कदमो की आवाज करते हुए बाहर आयी। आप उसकी बड़ी भूरी आंखों को देख सकते हैं। और वो चौकने लगी। वो यहाँ–वहां देखने लगी। और वह शिकारी नीचे बैठ गया, उसने अपनी बंदूक को उस हिरनी पर चलाने के लिए उठाया। और हिरणी ने शिकारी को देखा। लेकिन आप जानते है क्या, वो उस बच्चे की आवाज़ को ढूंढ रही थी, उसने बंदूक की ओर ध्यान नहीं दिया। लेकिन वह बच्चे के लिए देख रही थी; जो तकलीफ में था। आप जानते हैं, यह एक वास्तविक मातृभाव और मां के प्रेम को प्रदर्शित करता है, जो उस बंदूक के सामने मृत्यु

के लिए सामना कर सकता है, उस के बंदूक की नली की ओर देखते हुए। आप यह जानते हैं, क्या, यह प्रदर्शन बहुत ही महान था, वह उसके ठीक पास खड़ा था, उसने अपनी बंदूक को नीचे फेंक दिया! और वह दौड़ते हुए मेरे पास आकर और हाथों को मुझ पर डालकर मुझे पकड़ लिया, उसने कहा, "बिली मेरे लिए प्रार्थना करो, मेरे लिए ये इतना ही काफी था!" उसने मां के उस साहस को प्रदर्शित होते देखा!

112 ओह, जब संसार परमेश्वर के प्रेम को प्रदर्शित होते हुए देखता है और जो साहस, हम मनुष्य जाति के हृदय में, ये क्या ही एक भिन्नता होगी। जब हम परमेश्वर के पेंडुकी को हमारे हृदय में आने देते है और हमें सुशील बनाने और हमें विनम्र बनाने देते है।

113 वहां पर पीछे उन पेड़ की झाड़ीयो में, मैं वहां पर खड़ा होकर उस छोटे से व्यक्ति के लिए प्रार्थना कर रहा था, मैंने उसकी प्रभु यीशु के पास अगुवाई की। और तब से लेकर वह एक अच्छा और साफ–सुथरा शिकारी है।

114 निश्चय ही, उसने सोचा उसके पास एक अधिकार है, वह वही करता था जो वो करना चाहता था। "वे मेरे स्थान पर आकर, यदि वे चाहते तो वे वहां पर मेरे अनाज को खा लेते है।"

115 मैंने कहा, "यह सही बात है, लेकिन ऐसा करना ये इंसानीयत नही है।" आपको अपने अधिकारों को छोड़ना होगा, परमेश्वर दया करें, कि हम यह छोड़ दे।

116 यहां कुछ वर्ष पहले, ओह, वह लगभग सौ वर्ष पहले की बात है, वहां दक्षिण पश्चिम संयुक्त राष्ट्र में एक महान मसीही रहता था, उसका नाम डेनियल करी था, एक बहुत ही अच्छा आदमी, एक भक्ति पूर्व मनुष्य, एक संत मनुष्य, एक सच्चा मसीही, एक मनुष्य जिसके लिए हर एक ने बहुत ही अच्छा सोचा, बहुत ही प्रशंसनीय व्यक्ति था। और कहानी आगे बढ़ती है और वह मर गया और वह अवचेतन के अन्दर चला गया, और उसने कहा... जब वह ऊपर स्वर्ग में गया, निश्चय ही, जब वो मर गया था। और जब वह उस मोतियों से जड़े फाटक के पास आया, वह कार्यवाहक उस दरवाजे पर आया, कहा, "आप कौन हैं? "

117 उसने कहा, "मैं एक सुसमाचारक हूं, डेनियल करी, मैंने मसीह के लिए बहुत से प्राणों को जीता है। और मैं... मैं आज सुबह आया हूं, मेरी

धरती पर की यात्रा समाप्त हो गई है, अब मेरे पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं है।"

118 इसी तरह से ऐसा किसी सुबह ये आपके लिए आएगा, पापियों। इसी तरह से वह आपके लिए आ रहा है, जो पीछे हटे हुए हैं। इसी तरह से वह आपके लिए आ रहा है जिन्होंने पवित्र आत्मा शोकित किया है वो उनसे दूर है, इसके बाद सुशील और दयालु नहीं बने रहते है। आपने वर्षों से नहीं पुकारा हैं। आप शर्मिंदा नहीं होते है, क्योंकि मैं नहीं जानता कब से। आप में से सारी विनम्रता चली गई है। निश्चय ही। लेकिन यह आपके दरवाजे पर किसी एक सुबह को आ रहा है। और जब वह सुशील पवित्र आत्मा आकर और खटखटाता है, आप तब क्यों उसे अंदर नहीं लेते हैं?

119 इसलिए जब डेनियल करी वहां उस—उस—उस फाटक पर आया, वे अन्दर गए और कहा, "तो ठीक है, हम देखेंगे तुम्हारा नाम यहां पर है कि नहीं।" उन्होंने यहां–वहां देखा और नाम को नहीं पाया। कहा, "नहीं, डेनियल करी यहां पर नाम नहीं है।"

120 "ओह," उसने कहा, "पक्का है!" कहा, "मैं एक सुसमाचारक हूं।" उसने कहा, "मैंने मसीह के लिए प्राणों को जीता है।" कहा, "मैंने उन चीजों को करने का यत्न किया है, जो सही है।"

121 उस कार्यवाहक ने कहा, "श्रीमान, मुझे आपको बताते हुए खेद होता है, लेकिन यहां पर डेनियल करी नाम नहीं है।" कहा, "मैं आपको बताऊंगा आप क्या कर सकते है।" कहा, "हमें यहां पर कोई अधिकार नहीं है कि इस आपके मामले को ले।" उसने कहा, "क्या आप अपने मामले के लिए निवेदन करना चाहते है? आप इसे सफेद न्याय के सिंहासन के पास ले जा सकते हैं, यदि आप चाहते हैं तो।" लेकिन कहा, "हमारे यहां पर आपके लिए कोई दया है ही नहीं, क्योंकि हम आपको यहां पर नहीं लेंगे। आपके लिए कोई दया नहीं है।" कहा, "क्या आप अपने मामले के लिए निवेदन करना चाहते है? "

उसने कहा, "श्रीमान, मैं अपने मामले के निवेदन करने के अलावा और अधिक क्या कर सकता हूं? "

122 उसने कहा, "तो, तब आप सफेद न्याय के सिंहासन पर जाकर और वहां पर अपने मामले के लिए निवेदन कर सकते हैं।"

123 डेनियल करी ने कहा कि उसने महसूस किया वह खुद से लगभग एक घंटे के समय में से होकर गुजरा, कहा वह एक ऐसे स्थान पर आया, जो कि बहुत ही प्रकाशमान, प्रकाशमान, और प्रकाशमान होते जा रहा था। कहा जितना वह आगे गया उसे वहां और प्रकाश मिलता गया। जितना सूर्य हमेशा चमकता है यह उससे सौ गुना, हज़ार गुना चमकदार था। और कहा वह कांप रहा था, कांप रहा था। और कहा जब वह उस प्रकाश के मध्य में गया, उसने एक आवाज को कहते सुना, "क्या तुम धरती पर सिद्ध थे? " वो आवाज उस एक—एक प्रकाश में से बाहर आई थी।

उसने कहा, "नहीं, मैं सिद्ध नहीं था, " कांप आ रहा था।

कहा, "क्या तुम हमेशा ही हर किसी के साथ ईमानदार रहे हो? "

124 कहा, "नहीं।" (कहा, "कुछ बातें मेरे मन में आई, जिसके लिए मैं बिल्कुल ईमानदार नहीं रहा था।") कहा, "नही, मैं—मैं—मैं सोचता हूं, मैं ईमानदार नहीं था।"

कहा, "क्या तुमने हर मामले में, अपने जीवन में सच्चाई को बोला है? "

125 कहा, "नहीं मुझे कुछ बातें याद है जो मैंने बताई है, जो नहीं... जो संदेहपुर्वक थी। मैं—मैं—मैं—मैं बिल्कुल पूरी तरह से कभी भी सच्चा नहीं था।"

126 कहा, "तब, क्या तुमने कभी कुछ ऐसा लिया है जो तुम्हारा नहीं था, कुछ भी, पैसा और जो कुछ भी, जो तुम्हारा नहीं था? "

127 उसने कहा उसने धरती पर सोचा था कि वह बहुत ही अच्छा था, लेकिन वो दोषी था। कहा, "नहीं, नहीं, मैंने उन चीजों को लिया है, जो मेरी नहीं थी।"

उसने कहा, "तब तो तुम सिद्ध नहीं थे।" उसने कहा, "नहीं मैं सिद्ध नहीं था।"

128 कहा वह देख रहा था कि किसी भी मिनट, जहां पर वो पेंडुकी विश्राम कर रहा था उस प्रकाश में से धमाका होगा, "तुम दोषी हो!" कहा, तब उसी समय उसने एक आवाज को अपने पीछे से आते सुना जो कि बहुत ही मधुर थी, किसी भी मां की आवाज से भी मधुर थी, जो उसने कभी सुनी थी। कहा वो देखने के लिए पीछे मुड़ा और उसने एक बहुत ही आकर्षक से चेहरे को देखा जो उसने कभी देखा था, किसी भी मां के चेहरे से अधिक आकर्षक,

वो उसके सामने खड़ा था। और कहा उसने कहा, "पिता डेनियल करी नीचे मेरे लिए धरती पर खड़ा था। यह सच है कि वह सिद्ध नहीं था, लेकिन वह मेरे लिए खड़ा हुआ था। वह मेरे लिए धरती पर खड़ा था, अब मैं स्वर्ग में, उसके लिए में खड़ा रहूँगा। इसके सारे पाप को लेकर और उन्हें मेरे खाते पर डाल देता हूं।"

129 उस दिन तुम्हारे लिए कौन खड़ा रहेगा, भाई, यदि तुम उसे अपने से दूर करके आज शोकीत करते हो? मैं अब और अधिक प्रचार नहीं कर सकता हूँ। आइए अपने सिरों को झुकायेगे।

130 प्रिय परमेश्वर, प्रिय मरते हुए मेमने, विनम्र, नम्र, दीन। उन पक्षीयो के पास घोसले थे और लोमरियों के पास गुफाये थी, लेकिन अब भी आपके पास एक स्थान नहीं था और वही महिमा का प्रभु! जब आपने जन्म लिया था, उनके पास कोई भी वस्त्र नहीं थे कि वे आप को पहनाते। ओ परमेश्वर, तब ये मेरे वस्त्र मेरे किस काम के है? तब मेरी कार मेरे किस काम की है? मेरा सुन्दर घर मेरे किस काम का है? उस दिन पर ये मेरे किस काम के होंगे? आप बिना मित्र के थे; आपका कोई मित्र नहीं रहा होगा, ऐसा कोई भी दिखाई नहीं दिया जो आपके लिए एक सहायता का हाथ बढाना चाहता हो। आपने कहा, "उस दिन तुम कहोगे मैं भूखा था, तुमने मुझे भोजन नहीं दिया। मैं नंगा था तुमने मुझे कपड़े नहीं दिए।" यह सब उस दिन मेरे किस काम के होंगे, प्रभु? हम आपके लिए खड़े रहे प्रभु, इसलिए कि जब वह घड़ी आयेगी और हम उस उपस्थिति में चलेंगे, जो सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापी, सर्व... ओ परमेश्वर, जब हम पेंडुकी को सुनते हैं जो उसके पंखों के साथ उस महान प्रकाश में बैठा हुआ है, यह सारी अनंतता में से होकर चमकेगा। जब आप उस प्रकाश में वास करेंगे!

131 "जब वहां मुझे खुद के लिए खड़ा रहना होगा, मेरा भाई चला गया होगा, मेरा पास्टर चला गया होगा, मेरी मां चली गई होगी, मेरे पिता चले गए होंगे, मेरी पत्नी चली गई होगी, मेरे बच्चे चले गए होंगे, ओ परमेश्वर तब मैं क्या करूँगा, प्रभु? तब मैं क्या करूंगा? और हो सकता है इससे पहले आज रात ये सूरज ढल जाए। लेकिन मैं क्या करूंगा? मैं क्या कर सकता हूं? ओ मसीह, मैं अभी आपके लिए खड़ा रहूंगा! मैं आज अपने चुनाव को करूंगा। मैं उन सारे दूसरे लोगों के बारे में बात करना छोड़ दूंगा। मैं मेरे सारे गुस्से को छोड़ दूंगा। मैं मेरे सारे भेद भाव करने को छोड़ दूंगा। मैं हर चीज

को छोड़ दूंगा। मेरी ऊन को कतर लिजिये, प्रभु, और जो भी मेरा है उसे ले लिजिये। मुझे अभी ले ले, प्रभु। मैं—मैं—मैं आपके स्थान पर खड़ा रहना चाहता हूं। मैं ऊन को कतरवाना चाहता हूं। मैं चाहता हूं, मेरा सारा स्वार्थपन, सारा घमंड, सारे भेद भाव, वो सब अभी मुझ में से निकाल लिया जाए। तब मैं आपके लिए खड़ा रहूंगा, एक कतरे हुए ऊन के मेमने की नाई, मेमना जो अपने सारे अभिलाषा को छोड़ना चाहता हैं, वो जिसे संसार की अभिलाषा कहते हैं, वे सारे नाच–गान, सारी पार्टियां, वे सारे अभ्रद कपड़े, श्रृंगार करना, लिपस्टिक, उंगलियों में नेल पॉलिश लगाना, सारे अपक्षपात जो संसार के जैसा दिखाई देता है। आपने कहा, 'संसार की तरह व्यवहार भी मत करो। संसार के लोगों के साथ संगति भी मत करो। उनके बीच में से बाहर निकलो!' ओ परमेश्वर! मेरी सहायता करें, प्रभु। आज मेरी ऊन को कतर दे। मुझे एक मेमने के जैसे ले ले, और मुझे मौन बनाये, मैं अपने मुंह को न खोलु, इसके बारे में कुछ न कहूं, केवल खड़े होकर और ऊन को कतरने दूं।"

132 ओ परमेश्वर, यह क्या भिन्न बनाता है! मुझे याद है, जब आपने एक बार मेरी ऊन को कतरा था, मेरी पत्नी को ले लिया, मेरे बच्चे को, मेरे पिता को, मेरे भाई को ले लिया। आपने मेरी ऊन को कतर कर साफ किया। फिर भी, मेरे हृदय में, मैं जानता था कि मैं आपसे प्रेम करता हूं। आपने किस तरह से मुझे आशीषित किया है! आप मेरे लिए कितने भले रहे हैं! मैं जो कुछ भी हूं, जो कुछ हो सकता हूं, जो कुछ भी होने जा रहा हूं; यह आप ही है, परमेश्वर, यह आप हैं। मैं अपनी गलतियों को स्वीकार करता हूं, मैं वो सब स्वीकार करता हूं, जो कुछ भी मैंने किया है और सोचा है। मेरी ऊन को अभी कतर ले, प्रभु, मैं आपका मेमना बनना चाहता हूं।

133 केवल यही नहीं प्रभु, लेकिन हर एक व्यक्ति को ले ले जो इस सुबह यहाँ पर है, हर एक भेड़ को, और उन्हें, जो कोई भेड़ बनना चाहता है, आज की सुबह उनकी ऊन को क़तर लिजिये, प्रभु। उनके छोटे से कदमो को उस सुसमाचार के खांचे पर डाले। होने पाए पवित्र आत्मा उनकी अगुवाई करें कि वे ठीक अभी पश्चाताप करें, वे जान जाये कि वे परमेश्वर के प्रति लापरवाह में रहते आये है। और होने पाए कि उन सारी लापरवाही को क़तर कर निकाल दे, सारा संसार, और संसार की सारी चीजों को क़तर कर निकाल दे। आज सुबह इस सब को क़तर कर निकाल दे, प्रभु, जिससे हम

आपके सामने, संतोष से और शांति पूर्वक, नए जन्म पाए हुए मसीह की नाई खड़े हो सके। इसे प्रदान करें, प्रभु।

134 मैं आपसे प्रेम करता हूं। मैं जाना चाहता हूं, कोई फर्क नहीं पड़ता चाहे मौसम गर्म हो, चाहे मैं इसे पसंद करूं या ना करूं। मैं जाना चाहता हूं। मैं आपके लिए खड़ा होना चाहता हूं, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि उस दिन आप मेरे मामले के लिए मुकदमे को लडे, कहे, "तब, वह मेरे लिए खड़ा था, अब मैं उसके लिए खड़ा रहूंगा।" ओ परमेश्वर, इसे आज प्रदान करें।

135 और जब हर एक सिर झुके हुए है, और हर एक हृदय झुके हुए हैं। मैं सोचता हूं, आज की सुबह यहां पर एक जन भी ऐसा है जो यह जान गया है कि आपने अपने तरीके से यत्न किया है, आपने उन चीजों को किया जो आपको नहीं करना चाहिए था, और आप अभी इस बात को आज सुबह महसूस कर रहे है, आप चाहते है कि आपकी ऊन को प्रभु के लिए क़तर कर निकल दे और कहे, "आप मुझे एक सच्चा मेमना बनाये," क्या आप अपने हाथ को उठायेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। कोई तो कहता है, "प्रभु मुझे क़तर, मैं खड़ा हुआ हूं। मैं एक भेड़ हूं। मैं अपने मुंह को भी नहीं खोलुंगा, मैं बस चाहता हूँ, आप मुझमे से सारे संसार को काटकर निकाल दे।" परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, प्यारे लड़के। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। "मुझे क़तर प्रभु।" बहन जेरती... [पियानो को बजाने वाली बहन—सम्पा।] और परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। "प्रभु, मुझे अभी क़तर। मैं चाहता हूं कि सारी संसार की चीजें... मैं आज की सुबह आपके लिए खड़ा होना चाहता हूं। मैं एक ऊन कतरे भेड़ की नाई खड़ा रहना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि सारी संसार की चीजें मुझ में से काट कर निकाल दी जाये। मैं आपका बने रहना चाहता हूं, और आप मेरे बने रहे। क्या आप मुझे स्वीकार करेंगे, प्रभु, जब मैंने अपने हाथों को आपके लिए उठाया है? " परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला, मैं आपके हाथों

को देखता हूं। परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटी महिला। यह अच्छी बात है। परमेश्वर आपको आशीष दे, आप वहां पीछे जो माताये है। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। यह ठीक है, केवल ईमानदार बने रहे। "मैं चाहता हूँ कि परमेश्वर मुझमें से सारी चीजों को निकाल दे, जो उसके जैसी नहीं है, कोई भी मेरे पास स्वार्थी उद्देश्य है, और मेरे पास कोई भी लापरवाही है। मैं चाहता हूं कि वो आज की सुबह मुझ में से क़तर कर निकाल दे। मैं उसके जैसा बनना चाहता हूं। मैं परवाह नहीं करता कि वह अधिकार है या नहीं है; मेरे पास कोई अधिकार नहीं है। केवल एक ही अधिकार है, वो है, कि मैं उसके पास आऊं। और वह बाकी की बातों को कर लेगा।"

136 क्या यहां पर कोई एक ऐसा पापी है, जिसने कभी एक बार भी मसीह को स्वीकार नहीं किया हो और कभी बचाया नहीं गया हो, और वह चाहता है कि उसे आज की सुबह इस प्रार्थना में याद किया जाए, पापी मित्र, क्या आप अपने हाथों को ऊपर उठाएंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई और अपने हाथों को उठाकर कहेगा, "मुझे याद करे, भाई ब्रन्हम। मैं एक मसीही नहीं हूं और मैं नहीं जानता किस समय पर, मैं परमेश्वर से मुलाकात करूंगा। और मैं—मैं चाहता हूं कि मुझे ठीक अभी प्रार्थना के शब्दों में याद किया जाए, जब आप बंद कर रहे हैं।" तो ठीक है, क्या आप अपने हाथों को मेरे लिए ऊपर उठायेंगे कि मैं आपके लिए प्रार्थना करूं? वो देख रहा है। परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटी महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। कोई और है, "मैं चाहता हूं, मैं चाहता... "

137 कितने लोग यहां पर है जो पीछे हटे हुए हैं? "ओह," आप कहते है, "भाई ब्रन्हम, मै ऐसा नहीं मानता।" लेकिन देखो, यदि वह विनम्रता का पेंडुकी आप में से चला गया है, भाई, तो वहां पर कुछ तो गलत है। वहां पर कुछ तो गलत है जब आप एक दूसरे को धारण नहीं सकते हैं। जब आप अपने हृदय की गहराई से हर एक व्यक्ति को क्षमा नहीं कर सकते हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता, उन्होंने जो भी किया हो या उन्होंने कुछ भी कहा हो, यदि आप उन्हें अपने हृदय की गहराई से क्षमा नहीं कर सकते है। यीशु ने कहा, "यदि तुम हर एक के अपराधो को अपने हृदय से क्षमा नहीं करोगे, तुम्हारा स्वर्गीय पिता क्षमा नहीं करेगा।"

138 अब, क्या हो यदि, इस गर्म मौसम में, क्या हो यदि परमेश्वर आपको आज बुलाता है? जबकि वहां पर एक सोता खुला हुआ है, एक कलीसिया तैयार है, पवित्र आत्मा यहां इस इमारत के कोने पर बैठा हुआ है, ठीक नीचे आकर और वापस आपके हृदय में आने को तैयार है और आपको सुशील और शांतिपूर्ण बनाने के लिए। "मुझे क्या करना चाहिए, भाई ब्रन्हम?" केवल एक मेमना बन जाए। पवित्र आत्मा ठीक नीचे उतर कर आयेगा, जब आप एक मेम्ना बन जाते है। लेकिन यदि आप गलत उद्देश्य को लेते है, आपके पास गलत—गलत विचार हैं, आप अपने तरीके को चाहते हैं और इसे छोड़ना नहीं चाहते हैं, तब पवित्र आत्मा कभी भी नहीं आएगा।

139 अब अपने सिरों को झुकाने के साथ, मैं सोचता हूं आप में से यदि कोई अपने हाथों को उठाता है... अब यीशु ने कहा, "वह जो मेरे वचनों को सुनकर और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन होगा जो कभी भी न्याय पर नहीं आएगा लेकिन वह मृत्यु से जीवन की ओर पार कर चुका है," संत यूहन्ना 5:24। लेकिन अब यदि आप वेदी पर आकर, यहां पर घुटने टेकना चाहते हैं, तो आइए एक साथ मिलकर प्रार्थना करें, जब तक कि वो सुशील, शांतिपूर्ण महसूस नहीं करते है, जिसे आपने एक बार प्राप्त किया था, या प्राप्त करना चाहते हैं, आपके पास वो वापस आ जाये। जबकि हमने अपने सिरो को झुकाये रखा है, जब हम गाते हैं, "वहां पर एक लहू से भरा हुआ सोता है," मैं चाहता हूं कि आप आकर, घुटने टिकाकर और प्रार्थना करें। हर एक जन अब जो आना चाहते हैं, यहां पर वेदी के घेरे पर और थोड़ी देर के लिए प्रार्थना करें।

वहां पर एक लहू से भरा हुआ सोता है,
जो इम्मेनुएल की नसों से बह रहा है,
और पापी लोग उसके नीचे आते हैं... (परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला, ठीक यहां पर आकर घुटने को टेके)
छोड़...

140 अपने सिर को झुकाने के साथ, जैसे मैं आशा करता हूं आप ने अपने हृदय को झुकाया है। आप जानते हैं कि वो जो इस कलीसिया के गलियारे में आज की सुबह आता है, और आपको खुद पर एक लज्जित महसूस करने

को लगाता है? एक अश्वेत महिला, दीन, सफ़ेद बाल, सूजे हुए घुटने, जो वेदी पर जाने के लिए रास्ते को बनाती हैं।

141 यहां कुछ समय पहले, एक अश्वेत पुरुष जो बचाया गया, उस गुलामी के समय की बात है। वह वहां पर जाकर और जब वह बचाया गया था, उसने अपने मालिक से कहा कि वह आजाद हुआ है। उसने कहा, "तुम क्या हुए हो? "

कहा, "मैं आजाद हूं।" तब उसने उसे आजाद कर दिया।

142 यहां आज की सुबह कुछ और लोगों का झुंड उद्धार के लिए आगे आ रहा है। (कहा कि वो आजाद हो चुका है।) हर एक जन प्रार्थना में रहे, और दृढ प्रार्थना करे यदि आप चाहते है तो, जब पवित्र आत्मा लोगो से व्यवहार कर रहा है, लोगो को निर्णय को लेने को लगा रहा है।

उसने कहा, "मोसे क्या तुम कह रहे थे कि तुम आजाद हो गये थे? " कहा, "जी हां, श्रीमान, मालिक। मैं आजाद हूं।"

143 कहा, "यदि तुम आजाद हो, तब मैं भी तुम्हें आजाद करता हूं। जाओ और सुसमाचार को प्रचार करो।"

144 जब वह मरने पर था, उसके बहुत से श्वेत भाई लोग उसे देखने के लिए गए, और जब वे आये, उसने कहा, मैंने सोचा वो एक (कोमा) अवचेतन में चला गया था। जब वह उठा, उसने कहा, "मैंने सोचा कि मैं मर गया था।" (परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई, ठीक यहां पर आकर घुटने को टेके, वहां) कहा, "मैंने सोचा कि मैं मर चुका था।"

कहा, "तुमने क्या देखा, मोसे? "

145 उसने कहा, "जब मैं उस फाटक पर चलकर गया, मैंने उसे देखा।" कहा, "मैं वहां पर खड़े होकर और उसकी ओर देख रहा था।" और कहा, "वहां पर एक दूत आया था और कहा, 'आओ मोसे। तुमने सुसमाचार को बहुत वर्षों तक प्रचार किया है। तुम्हारे लिए एक वस्त्र और एक ताज को ठहराया गया है।'" उसने कहा, "'मुझे वस्त्र के लिए और ताज के लिए मत बताओ। मैं वस्त्र को और ताज को नहीं चाहता हूं। मैं तो केवल उसको देखना चाहता हूं।'" मैं सोचता हूं कि किसी भी मसीह का ऐसा ही व्यवहार होता है।

146 यहां कुछ समय पहले, वहां ऊपर शिकागो में, मैं एक कोलिजीयम, मेरा मतलब संग्रालय में था। और मैं वहां पर इधर–उधर देख रहा था। मैंने एक बूढ़े नीग्रो को देखा, उसका पूरा सिर सफ़ेद बालो से घिरा हुआ था, वो यहां–वहां घूम रहा था, उसके हाथ में उसकी टोपी थी। मैंने उसकी ओर देखा। वो एक छोटे से स्थान के अंदर देख रहा था, और उसने पीछे की ओर छलांग लगाई और उसके अश्वेत गालो से आंसू गिरने लगे। और वह प्रार्थना करने लगा। मैंने उसे थोड़ी देर के लिए देखा। उसने फिर से वहां पर देखा और वह फिर से रोना आरंभ किया। मैं वहां पर चलकर गया और उससे कहा, "श्रीमान।"

उसने कहा, "कहो, श्वेत मित्र? "

मैंने कहा, "मैं आपको देखता हूं... आप किस बात से इतने उत्तेजित हैं? आप किस विषय में इतने उत्तेजित हुए थे? "

147 उसने कहा, "श्रीमान, यदि, आप मेरे इसे स्थान पर महसूस कर सकते, मैं कठोरता से घिरा हुआ था।" कहा, "मैं एक समय गुलाम था।" उसने कहा, "यहां पर इस एक छोटे से कांच के ढांचे में, वहां पर एक वस्त्र रखा हुआ है।"

मैंने कहा, "मैं देख रहा हूँ, यहाँ एक वस्त्र है, लेकिन इसके बारे में क्या विशेष है? "

148 उसने कहा, "वहां पर जो स्थान है," कहा, "वो अब्राहम लिंकन का लहू है।" कहा, "उस लहू ने गुलामों की पट्टी को मुझ पर से निकाल दिया है।" उसने कहा, "अब, श्वेत व्यक्ति, क्या तुम भी इसी प्रकार से उत्तेजित नहीं होंगे? "

149 मैंने अपने हाथों को उसके बूढ़े कंधो पर रखा, मैंने कहा, "परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। मैं एक और लहू जानता हूं, जो मुझे उत्तेजित कर देता है।"

उसने कहा, "मैं भी उस लहू को जानता हूं, श्रीमान।"

150 मैंने कहा, "उसने मुझ में से उस गुलामी के पट्टे को निकाल दिया है।" एक समय मैं रविवार को वहां पर जाता, और जुआ खेलता, और इस तरह से करता रहता, और गंदे लतीफों को सुनाता था। और, ओ परमेश्वर, मैं इसे किस तरह से करता रहा? फिर भी वहां मेरे हृदय पर दाग होता है,

जब मैं ऐसा करता। लेकिन मैं बहुत ही खुश हूं, उसने उस पट्टी को मुझ पर से निकाल दिया है। अब पूरी तरह से निकल गई है, वो मेरे स्थान पर खड़ा हुआ था।

151 यहां कुछ समय पहले, मैं एक स्त्री की ओर देख रहा था, और वह बहुत ही अश्लील महिला थी, मैं उसे दोषी ठहराना चाहता था। परमेश्वर ने मुझे एक दर्शन दिया। तब मैंने उसके लिए प्रार्थना की, क्योंकि मैंने देखा कि मेरे पाप बिल्कुल उसकी तरह ही बहुत थे। और मैं वहां पर चलकर गया और उसके पास बैठ गया और मैंने उसे लज्जित किया, उसे बताया मैं एक सेवक था। उसके दो लड़के मित्र थे... वो लगभग पैसठ या सत्तर वर्ष की थी, उसके लड़के मित्रों ने वहां पर घुटने टेक दिए, और अपने हृदय को मसीह के लिए दे दिया। ओह, प्रभु, क्या ही भिन्न बात है!

152 क्या आप नहीं करेंगे? क्या आपने बहुत ही ज्यादा पाप किए हैं, आज की सुबह, क्या आपका हृदय अभी इतना काला और गंदा है इतना तक कि पवित्र आत्मा भी इसे छू नहीं सकता है? हो सकता है उस पेंडुकी ने उसकी अनंत उड़ान को भर लिया हो, ये हमेशा के लिए चला गया हो।

153 परमेश्वर आपको आशीष दे, प्रिय। एक छोटी लड़की चल कर आ रही है। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे, हृदय प्रिय। आप कहेंगे, "वह छोटी लड़की कुछ नहीं जानती है।" ओह, हां, वह जानती है। उसने बस बहुत सारी किताबो (मैगज़ीन) और पुरानी प्रेम कथाओं को नहीं पढ़ा होगा, जैसे आपने पढ़ी है। यही वह वजह है, वो निर्बल है। यीशु ने कहा, "उन छोटे बालकों को मेरे पास आने से मत रोको।"

154 कोई तो और है जो यहां पर आज की सुबह जुड़ने के लिए आना चाहेगा? वेदी खुली हुई है। कुछ और क्षणों के लिए, तब हम कुछ देर तक एक बार फिर से गीत को गायेगे, तब हम उनके लिए प्रार्थना को करेंगे जब पश्चातापी पापी लोग प्रार्थना कर रहे हैं।

उस मरते चोर ने देखकर आनंद किया
वह सोता... (निश्चय ही, सब कुछ चला गया है, वह
दीन मनुष्य समाप्त हो गया था।)
और वहां हो सकता है मैं, भले ही भ्रष्ट था जब उसने...

155 क्या अब आप यहां पर नहीं आना चाहेंगे? क्या आप नहीं आना चाहेंगे, आप जो अच्छी तरह से जानते हैं? बाइबल ने कहा, "यदि आप अच्छा

करना जानते हैं, और नही करते, आपके लिए यह पाप से भी बढ़कर है।" क्या आप नहीं आना चाहेंगे? आप जानते हैं कि आप गलत हैं। अपने मार्ग को बनाकर और वेदी के आस–पास घुटने टेके, और परमेश्वर से कहे, आप खेदित है जिस तरह से आपने उसके साथ व्यवहार किया है। वो पवित्र आत्मा वापस आकर आपको विनम्र और सुशील और फिर से शांती देगा। क्या आप नहीं आयेगे? याद रखना, यदि आप मरते हैं, और वह आपके लिए चला गया है, वहां आपके मामले का मुकदमा लड़ने के लिए कोई नहीं है। वह चाह रहा है कि आज सुबह आप उसके लिए खड़े रहे, परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई।

156 वो रुका हुआ है। क्या इतने ही है, केवल पंद्रह लोग ही कलीसिया में ऐसे हैं जो सचमुच ऐसा महसूस करते हैं, कि वो दोषी रहे है? क्या आपने शांतिपूर्वक, नम्र, सुशील और शांत जीवन को जीया है? अब इसे पवित्र आत्मा के द्वारा निर्देशित किया गया है। क्या आप क्षमा करते है, क्या आपका कोई भी शत्रु नहीं है? क्या आप पहले की तरह जी रहे है, पापियों के दोष के ऊपर? क्या आप मूर्ति पूजकों के जैसे नही जीते है, आप भिन्न जीवन जीते हैं? क्या आपके जीवन का सारा तरीका भिन्न है? क्या वह सुशील पवित्र आत्मा आपके हृदय पर बैठा हुआ है, आपको शांतिपूर्वक जीवन जीने को लगाता है, और सारे लोगों के बीच में शांत और प्रेमी? क्या आपके पड़ोसी और वे सब जानते हैं और आपके संगी–साथी जानते हैं कि आप एक सुशील, शांत, विनम्र, दीन मसीही है? क्या वह परमेश्वर का पेंडुक आपके साथ हैं? क्या आपको पक्का है? हो सकता है कि यह आपका आखरी मौका हो। तो ठीक है।

157 तब आप जो यहां वेदी पर है, परमेश्वर आपको आशीष दें। अब आपका न्याय नहीं होना है। वह पवित्र आत्मा ने आपके लिए न्याय को लाया है, और आपने अपने अधिकारों को पकड़े रखने की कोशिश नहीं की, कहते हुए, "मैं बहुत समय से एक मसीह रहा हूं। मुझे वेदी पर नहीं जाना है।" आप में से कुछ लोग, आप यहां इस वेदी पर पहली बार आये होंगे। "यदि मैं चाहता तो, मैं एक पापी बने रह सकता हूं, यही मेरे अधिकार है।" जी हां, यह सही है। आपके पास एक खुले हुए चुनाव का अधिकार है, आप कैसे भी चाहे कार्य कर सकते हैं। लेकिन आपने अपने अधिकारों को आज की सुबह छोड़ दिया है। वे कहते है, "वे लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे, मैं

मसीह होने का दावा करते आ रहा हूँ, और फिर मैं वेदी की ओर जा रहा हूँ, वे लोग क्या कहेंगे? " लेकिन परमेश्वर क्या कह रहा है? उसने आपको कहा कि आ, और तुमने वही किया है। अब आपने अपने अधिकारों को छोड़ दिया हैं, आप यहां पर सुशील पवित्र आत्मा को पाने के लिए आये है कि आज पवित्र आत्मा अपने स्थान को आपके हृदय में ले। मैं जानता हूं वो इसे करेगा। मैं जानता हूं वो करेगा। उसने प्रतिज्ञा की है कि वो करेगा। वहां, ये बस इसके लिए सहायता नहीं कर सकता है, मैं बस उसके आने को रोक नहीं सकता हूं। वह विनती कर रहा हैं, रो रहा हैं, मर गया, और इत्यादि जो भी है, उस स्थान पर आने के लिए, वह आपके लिए आना चाह रहा है।

158 और आपकी मृत्यु की घड़ी में, जब मृत्यु का दूत आपके बिस्तर के कोने पर बैठा हुआ होता है, वहां बाहर उस डरावनी चीज को देखने के बजाये, और वो जानता है आपने एक समय वेदी पर आने के लिए इंकार किया था, और तब आपका प्राण काला और गंदगी से भरा हुआ था, अब समय नहीं रहा, कोई फर्क नहीं पड़ता, आप कितना भी जोर से रोये। ऐसाव ने पाप किया, अनुग्रह मेरा मलतब... उसके अनुग्रह के दिन में, और उसे एक भी मौका नहीं मिला। वह बहुत जोर से रोया था, उस एक स्थान को पाने का यत्न कर रहा था ताकि सही कर ले, लेकिन वो इसे नहीं कर सका था। परमेश्वर ने उसे आखरी बार पुकारा था।

159 लेकिन आप यहां पर आकर आज की सुबह अपने सारे अधिकारों को छोड़ते हैं, और सारे मित्रों को, और आपकी सारी भावनाओ को और हर चीज को। आप अपने अधिकारों को छोड़ देते है, यहां पर घुटने टेककर और आप परमेश्वर से बात करते हैं। मैं आपको प्रभु के वचन से बता रहा हूँ, कि मसीह ने कहा, "वह जो मेरे पास आता है, मैं उसे कभी भी नहीं निकालूँगा।" अब जब आप वहां वेदी पर हैं, पश्चाताप करें, और उससे कहें कि जो आपने किया है, उससे आप खेदित हैं।

160 यही वह मामला है कि लोग जब बपतिस्मा लेते है, उन्हें पवित्र आत्मा नहीं मिलता हैं, वे बस पूर्ण रूप से पश्चाताप नहीं करते हैं, परमेश्वर उन्हें पवित्र आत्मा देने का यत्न करता है। वह चाहता है कि आप विनम्र और सभ्य और शांत बने। यही वह कारण है आप उसी स्वार्थ को अपने हृदय में लिए हुए उठते हैं। ओह, आप हो सकता है उठकर चिल्लाये होंगे, अन्य

भाषा में बोले होंगे, या कुछ भी ऐसा किया होगा, यह बात यह नहीं बताती कि आपके पास पवित्र आत्मा है। आपको एक अलग ही व्यक्ति बन कर उठना होगा। आपको सुशील, शांत, नम्र, और दीन बनकर उठना होगा, और पवित्र आत्मा आपके साथ बना रहता है। अगले वर्ष, हर समय पीछे मुड़कर और मार्ग को देखे कि आप इतना दूर आ गए हैं, देखो, आप जमीन से हर समय कितना ऊपर आ रहे हैं। यही पवित्र आत्मा है। पवित्र आत्मा प्रेम है, आनंद, शांति, धीरज, नम्रता, सुशीलता, संयम, विश्वास है। अब केवल पश्चाताप करें और परमेश्वर से कहें कि आप ठीक अभी उसे चाहते हैं। वो... वो इसे करेगा।

161 वहां पर छोटी लड़की, प्रिय तुम, तुम भी वैसा ही करो। तुम्हे आशीष मिले। तुम्हारी माँ तुम पर हाथ रखे हुए खड़ी है।

162 यह प्रिय बूढ़ी अश्वेत महिला, जो यहां पर है, वो वेदी पर झुकी हुई है। हो सकता है कि आपको मकई की रोटी और जई (अमरीकन भोजन) खाना पड़े, आपको किसी गली कोने में रहना पड़े, मैं यही सब जानता हूं, बहन। परमेश्वर आपके हृदय को आशीष दे, वहां पर आज की सुबह उस महिमा में एक महल आपके लिए तैयार है। सही है।

163 इस वेदी की ओर देखें और देखो उस एक महिला को, जो बूढ़ी हो रही है, और उस एक जवान महिला को, जो अपने सिर को झुकाए हुए है, एक पूर्ण सफेद बाल वाली महिला। ओ परमेश्वर! देखो, वो पुरुष घुटने टेक रहा है, साथ ही कुछ और लोग भी यहां पर हैं। केवल पश्चाताप करें, उससे कहें कि आप खेदित है। उससे कहे अब आप ऐसा और नहीं करेंगे। उसके अनुग्रह के द्वारा, आप अपने सारे पक्षपात को आज के बाद से लेकर ख़त्म कर देंगे। आप एक सभ्य और शांत बनना चाहते है। आप नम्र बनना चाहते है और वही जायेंगे, जहां पर वो आपको अगुवाई करता है।

164 जब लोग कुछ तो कहते हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना सही दिखाई देता है, आप अपने आप अपने पड़ोसियों के बारे में बात करने के अधिकारों को छोड़ने जा रहे हैं, आप यीशु के बारे में बात करेंगे। आप केवल वही बात करेंगे जो बिल्कुल सही है। आप बाहर एक हत्यारे की तरह नहीं जा रहे है। आप बाहर एक निर्दोष व्यक्ति को दबोचने नहीं जा रहे है। लेकिन आप देखे कि आप एक सच्चे मसीहो के साहसी किरदार को निभाने जा रहे है, और आप उनके जैसा बनना चाहते हैं। आपको किसी को नहीं कहना

नहीं होगा कि आप एक मसीह है, यदि आप एक मसीह हैं, तो वे केवल इसी से समझ जायेगे, जब आप बोलने लगते हैं, वे इसी जान जायेंगे। आप अंदर से और बाहर से मोहर बंद है।

165 अब, जब आप अपने हृदय को नम्र करते हैं, अभी पश्चाताप करें। परमेश्वर से कहें आप "खेदित है," आप "इसे ऐसा और नहीं करेंगे," आप अपने आप से "शर्मिंदा" हैं, जिस तरह से आपने व्यवहार किया है। और मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा। और मैं विश्वास करता हूं, ठीक उसके बाद, और शांति तब आपके हृदय पर आ जाएगी, बिल्कुल वही शांति जैसे एक नदी आपके प्राण के ऊपर बहती हुई आ रही है। हो सकता है आप नहीं चिल्लायें, हो सकता है आप अन्य भाषाओ में नहीं बोलें, हो सकता है आप ऊपर और नीचे नहीं कुदे; लेकिन आप इस वेदी से जब उठ कर जायेगे कुछ तो आपके साथ होगा, कुछ तो आप में होगा, जो आपको उस पुराने मजबूत क्रूस पर लंगर कर देगा, जब तक आप जीवित हैं। अब प्रार्थना करे, जैसे मैं करता हूँ। स्वीकार करे।

166 हमारे स्वर्गीय पिता, ये अयोग्य सृष्टियाँ, इस गर्मी में, आज की सुबह कमरा पसीने से लथपथ है, इस पसीने से भरी कोठरी में; लेकिन, परमेश्वर, आपने हमारे पसीने को निकाल दिया है। पवित्र आत्मा नीचे उतर कर आया है, लोगों को मनवाया है कि वे गलत थे। वह पाप कर रहे थे। उनकी आत्मायें अहंकारी थी। वे लड़ाकू थे, ताक–झाक करने वाले, सब कुछ जानने का ढोंग करने वाले, वे पश्चाताप करना नहीं चाहते थे, जिन्होंने उनके विरोध में कुछ गलत किया था उन लोगों को क्षमा करना नहीं चाहते थे। वे नहीं चाहते थे, लेकिन आज पवित्र आत्मा ने परमेश्वर के वचन को लेकर, और उनके सुशील हृदय के अंदर इसे स्थापित कर दिया, और कहा, "अब क्या तुम वापस आना चाहते हो, जहां पर तुम पहली बार तुम वेदी पर आये थे, क्या तुम वापस आना चाहते हो, जहां पर हर एक जन, तुम हर एक जन को प्रेम करो, और मुझसे प्रेम करो, जो न ख़त्म होने वाला प्रेम है? तब केवल उठकर, वेदी पर आ जाओ।" उन्होंने ऐसा किया है, प्रभु।

167 अब मैं अब प्रार्थना करता हूं कि आप उनके विचारों को पवित्र करेंगे, प्रभु, उनके हृदयों को पवित्र करेंगे, उन्हें सुशील और शांतिपूर्ण बनायेगे। होने पाए उनके पश्चाताप करने के बाद वे अब इस वेदी पर से उठे, अपने जीवनो को आपको देते हुए, अपने घरों की ओर वापस जाये। कोई फर्क

नहीं पड़ता, कुछ भी बात जगह लेने दो, यदि पति नाराज हो जाता है, या पत्नी नाराज हो जाती है, या पड़ोसी नाराज हो जाते हैं, या कोई तो जिसके साथ आप कार्य कर रहे हैं, या मेल–जोल करते हैं। "मैं तो केवल एक मेमने के जैसा बनना चाहुंगा।"

168 आखिरकार, पलटा आपके लिए ही हैं, "मैं फिर से उसे भर दूंगा, यहोवा यों कहता है।" हमने किस तरह से इसे होने के लिए पाया है, प्रभु। केवल शांत खड़े रहे, और सभ्य बने रहे, देखो, परमेश्वर... तब उसके मेमने के लिए नीचे आता है। निसंदेह, निश्चय ही। वो अच्छा चरवाहा उनके लिए अपने जीवन को देता है, वह तब नीचे उसके भेडो के लिए आता है। और वह उनकी अगुवाई करेगा। शापित है वो जो उन्हें ऊपर क्रूस पर चढाते है! शापित है वो जो उनके विरोध में एक शब्द कहता है! कहा, "उसके लिये यह भला होता, कि चक्की का पाट उसके गले में लटकाया जाता, और वह समुद्र में डाल दिया जाता। उसके दूत हमेशा ही मेरे पिता के चेहरे को देखते हैं, जो स्वर्ग में है।" देखा? ओ परमेश्वर, हम चाहते हैं... "जब तुम उनके लिए करते हो, तुम मेरे लिए करते हो।"

169 इसलिए, परमेश्वर, मैं एक सुशील बनना चाहता हूं। मैं भी आज सुबह अपने आप को वेदी पर रखता हूँ; केवल आज की सुबह नहीं, लेकिन हर एक सुबह और हर एक दिन। मैं सुशील और शांत और यीशु के जैसा बनना चाहता हूँ। इसे प्रदान करें, पिता। ऐसा होने के लिए अब हमारी सहायता करें, वो अथाव प्रेम की तरंग हमारे प्राणों पर उमड़ने लगे।

शांति! शांति! अद्भुत शांति,
जो ऊपर पिता से नीचे आ रही है; (क्या आप इसे
अभी अपने हृदय में महसूस नहीं करते हैं?)
... मेरी आत्मा के ऊपर हमेशा के लिए, (हाल्लेलुय्या,
हाल्लेलुय्या!)
शांति! शांति! अद्भुत...

170 बहन जेरटी ने कहा सारी कलीसिया से कहे वो भी दोषी है, लेकिन उसने प्यानो को अपनी वेदी बनाया है। जब वो वेदी, प्यानो को उसने उसकी वेदी बनाया है, उसने कहा, "कलीसिया से कहे कि मेरे लिए प्रार्थना करें," जब वह वहां पर बैठी हुई है, और उसके चश्में पर आंसू बह रहे है। यह

पुलपीट मेरी वेदी है। मैंने भी पश्चताप किया है, मेरी बाईबल गीली हो गयी है। ओ परमेश्वर!

शांति, परमेश्वर की शांति!
जो ऊपर पिता से नीचे आ रही है; (ओह, हाल्लेलुय्या)
... मेरे आत्मा के ऊपर हमेशा के लिए...

171 परमेश्वर यदि मैंने किसी के विरोध में पाप किया है, आप के विरोध में, तो इसे आप निकाल दीजिये, प्रभु। आज की सुबह मेरी छोटी सी कलीसिया से पापों को निकाल दीजिये।

172 कितने लोग अभी ऐसा महसूस कर सकते हैं कि परमेश्वर आपको क्षमा करता है, और शांति का पेंडुकी आपके हृदय में फिर से बैठ जाता है? वह ठीक अभी उडकर वापस आ चुका है, अपने स्थान को ले लिया है। पवित्र आत्मा अभी वापस आकर और कहता है, "मेरे बच्चे, मैं इतने समय से रुका हुआ था कि तुमसे प्रेम करूं। लेकिन तुम मुझे बस करने नहीं देते थे। मैं तुम्हारी पुरानी स्वार्थी आत्मा के साथ नहीं रह सकता था। लेकिन अभी जब तुमने इसे समर्पित किया है, मैं आज सुबह तुम्हारे हृदय में वापस आ गया हूं।" कितने लोग इस तरह से महसूस करते हैं? अपने हाथों को ऊपर उठाये। अपने हाथों को ऊपर उठाये, यह ठीक है, सभी जो सारे वेदी पर भी है। ओह, यह अच्छी बात है। कितने लोग वहां श्रोतागण में इस तरह से महसूस करते हैं? अपने हाथों को ऊपर उठाये। ओह! [भाई ब्रन्हम पियानो बजाने वाले से कहते हैं, "यीशु के समान बनु।"—सम्पा।]

173 हमारे स्वर्गीय पिता, हम इस नर्म समर्पण के समय के लिए आपका धन्यवाद देते हैं, जैसे कि अपने हाथों में एक सेब को लेकर, इसे मसलना, इसे कुचलना जब तक कि यह पूरी तरह नर्म नहीं हो जाता, इतना नर्म कि एक छोटा बच्चा नीचे बैठ कर और इसे खा सकता है। इसी तरह से हम अपने हृदय को चाहते हैं, प्रभु, इसे अपने कील जड़े हाथों में ले ले, तब इसे कुचले, ये कहते हुए कि, "बच्चे, क्या तू नहीं देखता कि तूने मुझे दुख पहुंचाया है? तुम मुझे दुख दे रहे थे, जब तुम इस तरह पकडे हाथों को छोड़ कर जाते थे। तुम मुझे दुख पहुंचा रहे थे, ओह, मेरा हृदय तब तुम्हारे लिए लहूलुहान हुआ, जब मैंने तुम्हें *फलाना–फलाना* चीजों को करते हुए देखा। लेकिन अब मेरे हाथों में तुम्हारा हृदय है, मैं इसे वास्तविक नम्र बनाना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि इसे इस तरह से बनाऊँ जिससे कि मैं इसका

इस्तेमाल कर सकुं, और इसमें रह सकुं। मैं आज की सुबह वापस उड़कर उस बसेरे पर आना चाहता हूं, मैं वापस उड़कर डेरा डालना चाहता हूँ, खुद को तुम्हारे साथ बने रहने देना चाहता हूं।" इसे प्रदान करें, परमेश्वर। हम आप से प्रेम करते हैं, इसे प्रदान करें, आप की महिमा के लिए। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं।

यीशु के जैसा बनु, ... (क्या इस तरह से आराधना करने को आप पसंद नहीं करते हैं? ओह, मेरा बस प्राण नहा रहा है।)
धरती पर मैं... (उसे इस तरह से आराधना करने वालों में नीचे आते देखना, और आपका हृदय वास्तव में सभ्य महसूस नहीं कर रहा है? मेरा हृदय बहुत तेजी से धड़क रहा है।)
... धरती से महिमा की यात्रा
मैं केवल उसके समान होने के लिए मांगता हूं।

क्या आप अपने हाथों को ऊपर उठाएंगे, जब हम इसे गाते हैं?

यीशु के जैसा बनु, ...
(जोए, क्या तुम ऊपर आकर आज की सुबह प्रार्थना करोगे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे। यहाँ वेदी पर एक स्थान को देख रहा हूं, भाई जोये। परमेश्वर आपको आशीष दे।)
... धरती से महिमा की यात्रा
मैं केवल उसके समान होने के लिए मांगता हूं।

174 मैं जानता हूं यह गर्म है, मित्रों। मैं जानता हूं ऐसा है। लेकिन मैं—आशा करता हूं आप मेरी तरह ही महसूस कर रहे हैं। ओह, मैं बस ऐसा महसूस कर रहा हूं कि मैं दूर उड सकता हूँ। वह कितना प्रेमी है! मैं क्या कर सकता हूं? मैं कहां जाऊं? ओ परमेश्वर! मैं कहां जा रहा हूं? मैं किस बात के लिए आगे आया हूं? ये क्या होने जा रहा है? मैं अब से लेकर सौ वर्षों तक क्या होने जा रहा हूं? क्या हो, यदि वो मेरे पास नहीं होता है? कहाँ, कहाँ पर दूसरा गढ़ है?

बेथलीयम की चरनी से एक परदेसी आगे आया,
धरती पर मैं उसके जैसा बनने को तरस रहा हूँ;
सारी जीवन की यात्रा में से होते हुए जो धरती से महिमा की है
मैं केवल उसके जैसा बनने के लिए मांगता हूं।

अब एक साथ मिलकर।

यीशु के जैसा बनु... (प्रभु की स्तुति हो! हां, प्रभु! हां, प्रभु! संसार के जैसा नहीं; आपके जैसा!)
... उसके जैसा बनु;
सारी जीवन की यात्रा में से होते हुए जो धरती से महिमा की है
मैं केवल... ? ...

175 जब आपने अपने सिर को झुकाया हुआ है, मैं आपसे कुछ तो पूछना चाहता हूं, यहां पर कोई तो ऐसा है जो पवित्र आत्मा को अप्रसन्न कर रहा है। किसी को तो बुलाया गया है मैं उसका भविष्यव्यक्ता होने के नाते यीशु के नाम से कहता हूं। मैं उसके हृदय को घायल हुआ देख सकता हूं। वहां पर कोई तो है, जो उसके प्रति आज्ञाकारी नहीं है, जिसे आना चाहिए। क्या तुम अब नहीं आना चाहोगे?

सारी जीवन की यात्रा में से... (हां, बहन, लेकिन वहां पर कोई और भी है।)... महिमा।
मैं केवल उसके लिए उसके जैसा होने के लिए मांगता हूं।
केवल यीशु के समान बनु... (यही सारी मेरी इच्छा है, दीन और अधीन और नम्र, उसके समान बनना।)
धरती पर मैं... (क्या अब आप आगे नहीं आना चाहोगे? परमेश्वर आपको आगे बढ़ते हुए देखना चाहता है, आप एक गिनती में है।)
वहां से होते हुए...

176 मैं जानता था कि तुम आ रहे हो। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। ऐसा ही है। ऐसा ही है। मैंने वहां श्रोतागण की ओर देखा, और मैंने अब तक की सबसे एक भयानक को छाया देखा जो वहां पर मंडरा

रही थी। वो पवित्र आत्मा अब यहां पर है। वह ठीक अभी मुझ पर है। "यह पवित्र आत्मा को शोकित करना है।"

यीशु के जैसा बनु...

177 उसने क्या किया? वो वही पर गया जहां पिता ने अगुवाई की। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई। यह अच्छी बात है, आगे की ओर बढ़े और घुटने को टेके।

धरती पर मैं तरस...

178 अब यह उस पुराने समय के जैसे अंगीकार करना, ठीक करना, सही करने का समय है। आगे आ आये। मैं अब भी महसुस करता हूं, वहां पर और भी है। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। ये अच्छी बात है। पवित्र आत्मा हमेशा ही सही होता है। आगे आ आये। यह अच्छी बात है, ठीक आगे बढ़ते जाये।

... उसके।
यीशु के जैसा बनु, उसके जैसा, हां, यीशु के
धरती पर मैं... (ओह, प्रभु, यह अच्छा है! इसी तरह से, बस इस गलियारे को भर दे, ठीक आगे आकर और प्रार्थना करें।)
सारी जीवन की यात्रा में से होते हुए धरती से महिमा की ओर (केवल पश्चाताप करें, परमेश्वर से कहें कि आप खेदित हैं, बस इतना ही आपको करना है।)
... उसके जैसा बनु

179 क्या आप और भी लोग आगे नहीं आना चाहेंगे? "उसके... " यह अच्छा है, बस आंसू बहते जा रहे हैं, यहां ऊपर आ जाए। "उसके जैसा बनु... "

180 आप क्या करोगे? कौन आपके लिए खड़ा होगा, हो सकता है आज रात को? कौन आपके लिए खड़ा होगा जब आपको मृत्यु आपके आस्तीन पर आ जाएगी? कोई फर्क नहीं पड़ता आपने क्या किया है, पवित्र आत्मा ठीक अभी आपके नजदीक बैठा है। यह वही है जो चाह रहा है कि आप आ जाए।

सारी जीवन की यात्रा में से धरती से महिमा की ओर

181 केवल पश्चाताप करें, कहे, "परमेश्वर, मुझे क्षमा करे। मै—मैं यह नहीं करना चाहता हूं। आप मेरे लिए नहीं खड़े होंगे, यदि मैं अभी आपके लिए नहीं खड़ा होता हूं तो। और मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए खड़े रहे, और मैं आपके लिए आज के बाद से खड़ा रहूंगा। मैं एक मसीही के जैसे जीने जा रहा हूं। मैं अपने तरीकों को बदल दूंगा। मैं सुशील और शांत बना रहूंगा। मैं हर एक को उनकी बातों बोलने को दूंगा और आदि–आदि। मैं तो केवल आपके सामने दीन और शांत बना रहूंगा।" कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने समय से मसीही होने का दावा करते हो, आप किस कलीसिया से ताल्लुक रखते हैं, इसके साथ इसका कोई लेना–देना नहीं। बस आगे बढ़ते जायें। परमेश्वर आपको आशीष दे। बाहर निकलकर ठीक आगे बढ़ो, बच्चे।

182 परमेश्वर अभी आपसे बातें कर रहा है। यदि आप मुझे उसका सेवक होने का विश्वास करते हैं, पवित्र आत्मा ने आज सुबह मुझसे बातें की है, कहा, "उस पुकार को करना, वहां पर बहुत से लोग हैं।" यही वह दिन है, यही वह समय है। वहां पर पीछे पांच और छ: और हैं, जिन्हें सचमुच मैं अब आना चाहिए। याद रखे, भाईयो और बहनों, मैं ठीक अब आपकी ओर देख रहा हूं, मैं उन काली छाया को आपके ऊपर मंडराता हुआ देख रहा हूं। अच्छा होगा कि अब आगे बढे।

183 यीशु के जैसा बनु! क्या आप उसके जैसा नहीं बनना चाहते हैं, सभ्य, शांत, नम्र, सुशील? परमेश्वर आपको आशीष दे, जवान पुरुष। परमेश्वर आपको आशीष दे, पिता जो अपने बालक के साथ हैं। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। परमेश्वर आपको आशीष दे, पापी मित्र। यह अच्छी बात है। अब आगे बढ़ते रहें, बहन, अब बाहर निकलकर बढे, अपने लिए एक स्थान को ढूंढे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

184 प्रिय बहन आपके पास परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए बहुत कुछ है। आप बिस्तर पर बेबस पड़ी हुई थी, मर रही थी, अब यहां पर आप चलकर वेदी पर आ रही हैं। आपके नर्म हृदय के लिए परमेश्वर आपको आशीष दे।

185 पवित्र आत्मा अब फिर से बात कर रहा है। पश्चाताप करे, बस सीधे परमेश्वर को पुकारे, केवल प्रार्थना करे, अपने तरीके से प्रार्थना करे। आप ही वो एक है जिसने पाप को किया है, अब आप ही वो एक हैं, जो प्रार्थना

को कर रहे हैं। परमेश्वर से कहें कि आप खेदित है, जो आपने किया है। इस बात को ध्यान ना दें कि आपके आस–पास कौन है। केवल कहे, "परमेश्वर मुझे क्षमा करे, मेरा यह मतलब नहीं रहा था। मैं सभ्य होना चाहता हूं। मैं कभी भी विरोध नहीं करूंगा और फिर से विवाद नहीं करूंगा।"

186 ओ परमेश्वर, ओह, मैं इसे कितना पसंद करता हूं! स्वर्गीय पिता, हर एक पश्चातापी, जो वहां वेदी पर है, अपने घुटनों को टिकाये हुए हैं, प्रार्थना कर रहा है! ओ परमेश्वर, होने पाए माताये, वे पिता, बच्चे, पिता, माताये, जो कोई भी और है, पड़ोसी, कलीसिया के सदस्य, डिकन, खजांची, ओ परमेश्वर, इस पुराने ढंग के आचरण के ढलते हुए समय पर, आज सुबह इस गर्म कमरे में बैठे हुए हैं, पवित्र आत्मा ठीक नीचे उतरकर आ रहा है, शांति को बोल रहा है। ओ परमेश्वर, मैं उस दिन पर खड़ा होना चाहता हूं ताकि आपको विनम्रता से यह कहते हुए सुनु, "जी हां, तुम वहां पर आकर, और तुम मेरे लिए खड़े रहे, अब मैं तुम्हारे लिए खड़ा रहूंगा।" मैं आपसे चाहता हूं कि आप जो आज यहां है हर एक हृदय में शांति को डाल दीजिये, परमेश्वर। शांतिपूर्वक और सभ्यता से, मैं चाहता हूं कि आप इसे करें। मैं चाहता हूं कि आप वहां पर जाये, एक ऐसी अनुभूति के साथ कि इस दिन के बाद से लेकर ये उन्हें कभी भी छोड़ कर न जाये। होने पाए वे नये बन घर की ओर जाए। वे लोग, नये लोग बन जाये। होने पाए हर एक चीज आज नई बन जाए, क्योंकि इन लोगो ने अपने आप को नम्र किया हैं। आपने कहा, "यदि वे लोग मेरे नाम के द्वारा बुलाये गए हैं, वे अपने आप को नम्र करेंगे और प्रार्थना करेंगे, तब मैं उनकी स्वर्ग से सुन लुंगा।" और मैं जानता हूं, आज की सुबह, आप ऐसा करेंगे, परमेश्वर।

187 और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें क्षमा करें जो उनके स्थानों में अभी भी बैठे हुए हैं, जिन्हें आना चाहिए था। परमेश्वर, उनसे बातें करें और होने पाए, उन्हें धरती पर कभी शांति नहीं मिले, जब तक कि वे अपने एक निर्णय को नहीं ले लेते हैं, प्रभु, यहाँ आकर और आपके साथ ठीक कर लें। इसे प्रदान करें, प्रभु। हर एक को अब आशीष देना। होने पाए आपकी करुणा और आपकी दया हर एक प्राण के ऊपर बनी रहे, जिन्होंने पश्चाताप किया है और आज की सुबह इस कलीसिया में झुके हुए हैं।

188 पिता परमेश्वर, मैंने इसे आपकी आज्ञा से किया है। मैंने इन लोगों को बुलाया है; वे खड़े हुए हैं। आपने कहा, "जो मनुष्य के आगे मेरी गवाही को

देगा, मैं मेरे पिता के सामने और पवित्र दूतो के सामने उसकी गवाही को दूंगा।" बहुत से लोग यहां पर, बहुत वर्षों से मसीही रहे हैं, लेकिन आज की सुबह वे लोग खड़े हुए हैं, ताकि अपने पापों को बताये कि उन्होंने गलत किया है। वे अप्रिय बने हुए हैं। पवित्र आत्मा उनमें से चला गया था। और बहुत सी बार वे उस सुशीलता, मधुरता, नम्रता को महसूस नहीं कर सकते हैं जिसे उन्हें करना चाहिए था। उनमें से बहुत से पापी है, जो पहली बार यहां पर आए हैं। लेकिन, पिता वह उस अद्भुत अनुभव को चाहते हैं, वो शांति जो सारी समझ से परे है। उन्हें इस दिन में आप देना, प्रभु परमेश्वर, और होने पाए वे कुल मिलाकर, आपकी प्रेमी और मधुर आत्मा से भरे हुए हो, जैसे हम आज इस स्थान को छोड़कर जाते हैं, अपने भिन्न–भिन्न घरों की ओर, एक भिन्न जीवन को जीये और एक भिन्न व्यक्ति बने। हम मसीह के नाम से मांगते हैं।

189 "वहां सोते पर अवसर है।" तो ठीक है, आप जो वेदी पर हैं, खड़े हो जाये, प्रभु परमेश्वर की ओर ऊपर देखें, यहां–वहां मुड़कर एक दूसरे से, आस–पास हर एक जन से हाथ को मिलाए। ओह, अब हम हर एक जन इसे गायेंगे, जब हम कुछ देर के लिए खड़े हुए हैं, चंगाई सभा से पहले।

अवसर, अवसर, जी हां, वहां पर अवसर है,
वहां उस सोते पर आपके लिए अवसर है;
अवसर, अवसर, जी हां, वहां पर अवसर है,
वहां उस सोते पर आपके लिए अवसर है। (हर एक जन!)

... अवसर, जी हां, वहां पर अवसर है,
वहां उस सोते पर आपके लिए अवसर है;
अवसर, अवसर, जी हां वहां पर अवसर है,
वहां उस सोते पर आपके लिए अवसर है।

अवसर, अवसर, जी हां, वहां पर अवसर है!
[टेप पर खाली स्थान।—सम्पा।]

190 एक विश्वास! आप जानते, एक दिन भाई, जब आपकी—आपकी पत्नी ने बुलाया कि आपके लिए प्रार्थना की जाये? मैं सीधे उस कमरे में गया और पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा, "डरो मत।" आमीन। क्या वो

वास्तविक नही है? अद्भुत है। तो ठीक है, प्रभु की स्तुति हो! मैं अब महसूस कर रहा हूं जैसे मैं विजय की ललकार को करूं। तो ठीक है।

और उसका लहू तिनके को धो देता है... (क्या बताने के लिए कुछ है?)

यीशु बचाता है!... ? ...

191 तो ठीक है, अब भाई नेविल। और भाई स्लॉटर के पास कहने के लिए कुछ शब्द है।

[भाई स्लॉटर बात करते हैं, टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

[भाई नेविल कहते है, ओह! प्रभु को धन्यवाद! आमीन! प्रभु की स्तुति हो! मैं विश्वास करता हूं हर एक जन ने आज सुबह प्राप्त किया है।] महिमा! हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या! [भाई नेविल बात करते हैं, और उसके बाद वे कहते हैं, "याद रखे, आज रात की सभायें, पैर को धोने की और प्रभु भोज की सभा है।" वे भाई ब्रन्हम से पूछते हैं, "आप जानते हैं कि आप वहां नीचे रहेंगे या नहीं? "] मैं शायद आज रात को भी यहां पर रहूंगा। हां, जहां तक मैं जानता हूं, मैं यहां पर रहूंगा, जब तक मुझे कही से कोई बुलावा नहीं आता है।

कलीसिया और उसकी परिस्थिती HIN56–0805

(The Church And Its Condition)

कलीसिया की श्रृंखला

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 5 अगस्त, 1956 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org